दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-48 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 28 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विज्ञान और तकनीक का अनोखा संगम सूर्य तिलक

पीएम मोदी सहित करोड़ों श्रद्धालु बने दिव्य सूर्य तिलक के साक्षी

नई दिल्ली,(ए.)। अयोध्या में राम नवमी का पवित्र पर्व अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाया गया और राम मंदिर में भव्य सूर्य तिलक समारोह आयोजित हुआ। उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण सूर्य तिलक अनुष्ठान है, जो ठीक दोपहर 12:00 बजे संपन्न होता है। इस अनूठे समारोह के दौरान, मंदिर के भीतर स्थित राम लल्ला प्रतिमा के माथे पर वैज्ञानिक विधि से सूर्य की किरण डाली जाती है।

वहीं इस पावन मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भगवान राम लला से प्रार्थना की और अयोध्या राम मंदिर में सूर्य तिलक समारोह का अवलोकन किया। वैज्ञानिक के द्वारा दर्पणों और लेंसों की उन्नत प्रणाली की बदौलत सूर्य की रोशनी गर्भगृह में प्रवेश करती है और कुछ मिनटों के लिए प्रभु रामलला के माथे पर एक चमकदार तिलक बनाती है। यह समारोह दिव्य आशीर्वाद का प्रतीक है और परंपरा एवं आधुनिक विज्ञान का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। भक्तों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मंदिर अधिकारियों ने अयोध्या भर में लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था की, जिस कारण हजारों भक्त इस क्षण के साक्षी बन सके। शुक्रवार सुबह अयोध्या में राम नवमी के मौके पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, क्योंकि हजारों लोग दूर-दराज के क्षेत्रों से धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए पहुंचे। सरयू नदी में पवित्र स्नान करने के बाद, श्रद्धालु अयोध्या के राम मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में प्रार्थना के लिए उमड़ पड़े। पूरा शहर गहरी भक्ति के वातावरण में डूबा रहा और जय श्री राम के जयकारे गूंजते रहे। भगवान श्री राम की जयंती मना रहे श्रद्धालुओं में उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की और पुलिस बलों को विभिन्न स्थानों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया। अयोध्या मंडल के आयुक्त राजेश कुमार ने कहा कि राम नवमी के मौके पर अयोध्या में आस्था की लहर दौड़ गई है, हर जगह श्रद्धालु दिख रहे हैं और चारों ओर 'जय श्री राम' के जयकारे गूंज रहे हैं। इस देखकर प्रशासन के सभी उच्च अधिकारी लगातार मेला मैदान का दौरा कर रहे हैं।

श्रीनगर-लेह हाईवे पर एवलांच, छह लोगों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

श्रीनगर, (आरएनएस)। लेह हाईवे पर जोजिला पास के पास भीषण हिमस्खलन हुआ है। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। मौके पर पुलिस प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को जोजिला दर्रे पर हिमस्खलन की चपेट में आने से छह लोगों की जान चली गई।

जोधपुर में सजेगी दो आईपीएस अधिकारियों की शहनाई , बाड़मेर के के.के. बिश्नोई और बरेली एसपी अंशिका वर्मा रचायेंगे ब्याह

जोधपुर/बाड़मेर(आरएनएस)। राजस्थान की सन सिटी जोधपुर एक बार फिर एक भव्य शाही शादी का गवाह बनने जा रही है। उत्तर प्रदेश कैडर के दो प्रभावशाली आईपीएस अधिकारी विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। मूलत: बाड़मेर के निवासी और वर्तमान में संभल (UP) के SP के.के. बिश्नोई और बरेली (P) की SP अंशिका वर्मा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेंगे। बाड़मेर में शुरू हुई रस्में, जोधपुर में होगा रिसेप्शन 25 मार्च को संभल में सगाई (दस्तूर) के बाद अब राजस्थान में वैवाहिक रस्मों का आगाज हो चुका है।

दिवंगत के परिजन को संबल योजना से भी दिये जायेंगे 4-4 लाख रुपये : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सभी घायलों को दी जाएगी एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन से मिल कर दी सांत्वना

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की 4 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम करेर तहसील मोहखेड़ की श्रीमती सिया पति कृष्णा इनवाती, रामदास पिता सुकलू पराने, दौलत पवार, श्रीमती भागवती पति दान सिंह और श्रीमती शकुन पत्नी लखीचन्द्र यादव के निवास जाकर मुलाकात की। ग्राम करेर में प्रभावित परिवारों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के सदस्यों से चर्चा कर कहा कि दुख की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार आपके साथ है। आपको हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

कौशांबी में भीषण सड़क हादसा, हाईवे किनारे खड़े ट्राला से भिड़ा वाहन, 7 श्रद्धालुओं की मौत

कौशांबी ,(आरएनएस)। कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर डोरमा पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे खड़े ट्राला में सैनी की तरफ से जा रही पिकअप अनियंत्रित होकर पीछे से टकरा गई। हादसे में पिकअप के परखचे उड़े गए। पिकअप में सवार रहे महिलाओं, बच्चों समेत 25 लोगों में सात की इलाज के लिए जाते वक्त मौत हो गई।वाहन सवार प्रयागराज के संगम से मुंडन कराकर घर जा रहे थे। सैनी क्षेत्र केडोरमा हाईवे के समीपखड़े ट्राला से भिड़ी थी पिकअप। चार महिला व तीन बच्चों के मौत की पुष्टि हुई है। वहीं दो दर्जन से ज्यादा घायलों का सीएससी सिराथू और जिला अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है।घायलों को लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने चार एंबुलेंस लगाई है। अस्पताल में इमरजेंसी स्टाफ के अलावा खुद सीएमओ मौजूद हैं, घायलों का हाल ले रहे हैं। जिला अस्पताल में भी सीएमएस की अगुवाई में घायलों का इलाज कराया जा रहा है।फतेहपुर जिले के जाफरगंज थाना क्षेत्र कोरावल गांव निवासी पंकज सिंह के बेटे का आज रामनवमी के पर्व पर मुंडन था। इसके लिएने परिवार के अलावा रिश्तेदार वाहन से प्रयागराज गए थे।

गोलीबारी में तृणमूल कर्मी की मौत पर चुनाव आयोग ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

कोलकाता(आरएनएस)। चुनाव आयोग ने कोलकाता के बाघा जतिन इलाके में हुई गोलीबारी की घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए कोलकाता पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने आज इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस घटना में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल डे (36) की मौत हो गई, जबकि जीत मुखर्जी नामक एक अन्य व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया। चुनाव आयोग ने इस मामले में स्थानीय थाने द्वारा उठाए गए कदमों की भी जानकारी मांगी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार देर रात उस समय हुई जब दो गुटों के बीच एक मकान की छत पर विवाद बढ़ गया। बताया जा रहा है कि वहां मौजूद लोग कथित तौर पर शराब का सेवन कर रहे थे, तभी अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस ने अब तक इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान दीप रॉय, विधान बनर्जी, राजा बनिक और जयंत घोष के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि विवाद जुए के पैसे के बंटवारे को लेकर हुआ था। सभी आरोपित स्थानीय तृणमूल कांग्रेस से जुड़े बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, राहुल डे और जीत मुखर्जी पहले से एक-दूसरे को जानते थे, हालांकि लंबे समय से उनके बीच संपर्क नहीं था। बुधवार रात जीत मुखर्जी के घर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें राहुल डे को भी बुलाया गया था। इसके बाद सभी लोग छत पर एकत्र हुए, जहां कथित तौर पर शराब पी जा रही थी। रात करीब 12.30 बजे आसपास के लोगों ने गोलियों की आवाज सुनी। बताया जा रहा है कि लगभग तीन राउंड फायरिंग हुई। गोलीबारी के बाद छत पर मौजूद अन्य लोग मौके से फरार हो गए। उन्हीं में से एक व्यक्ति के जरिए राहुल डे के परिवार को घटना की जानकारी मिली। इसी बीच, चुनाव आयोग ने दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती इलाके में दिन के समय दो राजनीतिक गुटों के बीच हुई झड़पों पर भी रिपोर्ट मांगी है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा, खामेनेई के पोस्टर लहराए; विधायकों में हुई धक्का-मुक्की

श्रीनगर(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर हंगामा देखने को मिला। नेशनल कॉन्फ्रेंस के कुछ नेता उनकी तस्वीर लेकर सदन में पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान खामेनेई के पोस्टर भी लहराए गए।सदन में इसी बीच कांग्रेस और भाजपा विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई, जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि विवाद भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी के बाद शुरू हुआ। दरअसल, कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। इसके जवाब में भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई की स्थिति बन गई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, नई दिल्ली में यूरोपीय संघ के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ शिष्टाचार भेंट और सामूहिक चित्र के अवसर पर।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती पर विपक्षी दलों के सांसदों ने जताया असंतोष

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती करने के फैसले के बाद विपक्ष के सांसदों ने असंतोष व्यक्त किया है। सांसदों का कहना है कि टैक्स में छूट मिलनी चाहिए थी, जिस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, सरकार का राजस्व जनता से ही आता है, जो टैक्स के रूप में इकट्ठा किया जाता है। अगर सरकार एक्साइज ड्यूटी में कटौती करती है तो वह अपने पैसों से कुछ नहीं दे रही बल्कि लोगों की जेब से इकट्ठा किए गए पैसे ही सरकार का राजस्व बनते हैं। सरकार को इस कटौती का इतना प्रचार करने की आवश्यकता क्यों है। आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा कि कीमतों में थोड़ी कटौती हुई है, लेकिन फिर भी ये तेल और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुएं अब भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। चाहे एलपीजी हो, पेट्रोल हो या डीज़ल, हर जगह लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी से उपभोक्ताओं को कीमतों में वृद्धि से सुरक्षा मिलेगी : वित्त मंत्री

नई दिल्ली,(आरएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी से उपभोक्ताओं को कीमतों में वृद्धि से सुरक्षा मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के बीच घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कमी की गई है। इससे उपभोक्ताओं को कीमतों में वृद्धि से सुरक्षा मिलेगी। इससे पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटकर 3 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जो कि पहले 13 रुपए प्रति लीटर थी। डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम होकर शून्य हो गई है, जो कि पहले 10 रुपए प्रति लीटर थी।वित्त मंत्री ने पोस्ट में आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि नागरिकों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और लागत में उतार-चढ़ाव से बचाया जाए।इसके अलावा, डीजल के निर्यात पर 21.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया गया है। इससे घरेलू खपत के लिए इन उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी।उम्मीद की जा रही है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) बढ़ते नुकसान की भरपाई के लिए इस कटौती को स्वयं समायोजित करेंगी। कच्चे तेल की कीमत में भारी वृद्धि के कारण ओएमसी को ईंधन की रिटेल बिक्री पर बड़ा नुकसान हो रहा है।मध्यू पूर्व में तनाव के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है। बीते एक महीने में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 40 प्रतिशत बढ़ चुका है। फिलहाल यह 101 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है।पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम होने को केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक अहम कदम बताया।

नवरात्र के समापन अवसर पर पूरे दिन जारी रहे धार्मिक अनुष्ठान

जगह जगह हुए हवन,कन्या भोजन के साथ भंडारे के आयोजन, निकले जवारे

नर्मदापुरम (निप्र)। चैत्रीय नवरात्र महोत्सव का समापन भक्ति भाव के साथ हुआ। पूरे दिन सुबह से लेकर शाम तक नर्मदा नगरी में धार्मिक अनुष्ठान का सिलसिला जारी रहा। नो दिनों तक देवी भक्त श्रद्धालुओं के द्वारा भजन पूजन अर्चन हवन के साथ कन्या भोजन के आयोजन होते रहे। शहर में चार स्थानों पर देवी प्रतिमाओं की स्थापना की गई थी। सभी देवी स्थानों पर समिति के द्वारा हवन किए गए। वहीं अनेक स्थानों पर जवारे की स्थापना की गई थी नवमी के अवसर पर शाम के मसय ग्वालटोली काली मंदिर से भव्य जवारे एक साथ निकाले गए। इसी के साथ अनेक घाटों पर भी विभिन्न स्थानों से जवारे आए जिनका नर्मदा जी में विर्सन किया गया।

पूजी गई कुल देवी जुटे कुटंब के लोग

अष्ठमी व किसी -किसी परिवार में नवमी के दिन कुलदेवी की पूजन होती है। इस अवसर पर अनेक परिवार के लोगों ने अपने कुटंब के लोगों के साथ पुरानी पंरपरा के तहत कुल देवी की पूजन परिजनों के साथ की। बीते वर्ष अप्रैल में कोरोना की खतरनाक लहर के कारण कुलदेवी की पूजन नहीं हो पाई थी।

धूमधाम से निकली जवारों की शोभायात्रा

शहर में प्राचीन परंपरा के तहत अनेक परिवार के लोगों के द्वारा रखे गए जवारों की शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली। जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए निकली। इस शोभायात्रा में महिलाओ के साथ ग्वालटोली के ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी रही।

भंडारे के आयोजन हुए

शहर में नवरात्र महोत्सव के समापन अवसर पर अनेक स्थानों पर देवी भक्तों ने पूर्णाहुति करते हुए भंडारे का आयोजन किया। देवी स्थानों पर सुबह से दोपहर तक कन्या भोजन के साथ भंडारे के आयोजन होते रहे। अनेक परिवार के लोगों ने नर्मदा तट पर भी भंडारे का आयोजन किया।

देवी जस होते रहे नौ दिनों तक

देवी मंदिरों के साथ जवारे के विसर्जन के दौरान अनेक समिति के द्वारा नो दिनों तक देवी जस के आयोजन किए। वहीं पूरे नो दिनों तक देवी पाठ किए जाने वाले स्थानों पर देवी पाठ का समापन हुआ। पूरे दिन शहर में धार्मिक वातावरण बना रहा।

महंगाई और गैस संकट से आम जनता पर बढ़ता बोझ, सरकार तुरंत कदम उठाए : कुमारी सैलजा

चंडीगढ (आरएनएस)। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने मीडिया में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के कारण देश की आम जनता पर अभी से आर्थिक बोझ बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा कि ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते वैश्विक तनाव का असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे पेट्रोल, डीजल, एलपीजी तथा खाद जैसी आवश्यक वस्तुएं महंगी हो रही हैं। इसका सीधा प्रभाव आम नागरिक और छोटे व्यवसायों पर पड़ रहा है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार को ऐसे समय में संतुलित और दूरदर्शी विदेश नीति अपनाने के साथ-साथ घरेलू स्तर पर भी प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि महंगाई पर नियंत्रण रखा जा सके और जनता को राहत मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि देशभर की तरह हरियाणा में भी रसोई गैस की किल्लत गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। गैस के दाम बढ़ने के बावजूद सरकार कालाबाजारी पर रोक लगाने और आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने में विफल रही है।

बंगाल में उत्पादित गैस बाहर न भेजी जाए: ममता बनर्जी

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में रसोई गैस (एलपीजी) को बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए, खासकर चुनाव के दौरान आम लोगों की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री विमान द्वारा कोलकाता से अंडाल के लिए रवाना हुईं। रवाना होने से पहले उन्होंने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में आशंका जताई कि चुनाव के माहौल में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों का तबादला कर राज्य में उत्पादित गैस को बाहर भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोल है, गैस भी है। लेकिन हम नहीं चाहते कि अधिकारियों को बदलकर हल्दिया में उत्पादित गैस बाहर भेजी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव ड्यूटी के लिए बड़ी संख्या में बाहरी कर्मी और जवान राज्य में आएंगे, ऐसे में स्थानीय लोगों को गैस की कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में केरोसिन की आपूर्ति बढ़ाई गई है ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को राहत मिल सके।

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व पर भरोसा, जनता पसंद कर रही है सरकार के काम

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है। जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लाड़ली बहना योजना में हमारी 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहने हैं। इनके हित में हम हर महीने 1500-1500 रुपये खाते में डाल रहे हैं। किसानों को किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं। भारत सरकार के वित्तीय व्यवस्था के जो उच्चतम मापदंड है उसके दायरे में

रहकर हम अपनी आय-व्यय को विनियमित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस पद की गरिमा का पतन कर दिया है। भारत-पाकिस्तान में स्ट्राइक हो रही है और अपोजिशन लीडर सेना का मनोबल गिरा रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के समय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई पूरी दृढ़ता से सरकार के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा था हम सेना के साथ हैं। जब राष्ट्रीय संकट हो तो देश के साथ रहना चाहिए, यह विपक्ष को सीखना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल और वायु हमेशा सीमाओं से परे होती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। यह परियोजना राज्यों के हित में है। इस राष्ट्रीय परियोजना की 90 प्रतिशत लागत राशि भारत सरकार दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है। यहां 250 से ज्यादा नदियां हैं। हमारे पड़ोसी राज्य राजस्थान के 15 जिले सालों से पीने के पानी, उद्योग और सिंचाई के लिए भारी कष्ट में थे। माननीय अटल जी की सरकार के वक्त नदी जोड़ो योजना बनी थी लेकिन राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकार के साथ तालमेल न होने से इस विषय को लटकाए रखा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से मध्यप्रदेश और राजस्थान ने साथ आने का प्रयास किया और दोनों राज्यों की पश्चिमी भारत को सिंचाई की सुविधा से संपन्न करने के लिए पार्वती-कालीसिंध-चंबल योजना पर सहमति बनी। इस पर लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की धनराशि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मंजूर की। प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में ही इस परियोजना का शुभारंभ हुआ। इस गठबंधन का परिणाम यह हुआ कि दोनों राज्यों के लोगों का एक तरह से अब जीवन बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंध होने चाहिए।

एम्स के सामने निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिरा, मलबे में दबने से आठ लोग घायल

भोपाल(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एम्स अस्पताल के सामने शुक्रवार दोपहर में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। हादसे में नीचे खड़े आठ लोग मलबे में दबने से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार, भोपाल में एम्स के सामने सडाना मेडिकल स्टोर की चार मंजिला इमारत बन रही है। नीचे मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा था। एम्स में आए मरीज और उनके परिजन दवाई लेने के लिए यहां पहुंचे थे, इस दौरान निर्माणाधीन बिल्डिंग का छज्जा गिर गया। इस हादसे में आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। हालांकि, उनमें से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि पांच मरीज अभी भी भर्ती हैं। इनमें 23 साल की नंदिनी नामक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें एम्स भोपाल के ट्रॉमा ब्लॉक के रेड ट्रायज में भर्ती किया गया है।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिल्डिंग का कुछ हिस्सा अवैध है और नगर निगम को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। करीब 35 साल पुराना भवन है। यहां मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है। इसके ठीक ऊपर तीन मंजिल का और निर्माण चल रहा है। जो सेटिंग, छज्जा गिरा है,वो काफी बाहर निकला हुआ था। यह शेड के ऊपर गिरा है। इससे शेड भी ढह गया।हादसे के बाद पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेरकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने रामनवमी पर लोकभवन मंदिर में की पूजा-अर्चना

कन्या-पूजन कर उपहार प्रदान किए, प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

भोपाल (निप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने शुक्रवार को रामनवमी के पावन पर्व पर लोकभवन स्थित मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने कन्या-पूजन किया और कन्याओं को उपहार भी प्रदान किए। राज्यपाल श्री पटेल ने श्रीराम जन्मोत्सव के अवसर पर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की है। कार्यक्रम में नियंत्रक हाउस होल्ड श्रीमती शिल्पी दिवाकर और लोकभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब वाराणसी में गूंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में होगा महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

भोपाल, (निप्र.)। मध्यप्रदेश में मोहन सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गौरवमयी अभियान विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत, मोक्षदायिनी नगरी वाराणसी में आगामी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भव्य महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष रुचि और दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई यह सांस्कृतिक यात्रा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुँच रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य केवल एक शासक नहीं, बल्कि भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक हैं। वाराणसी में होने वाला यह महानाट्य जन-जन को उस वैभवशाली कालखंड से परिचित कराएगा। जब सम्राट विक्रमादित्य ने आज से लगभग 2100 वर्ष पूर्व आक्रांता शकों का समूल नाश कर विक्रम संवत का प्रवर्तन किया था, यह संवत विश्व की प्राचीनतम काल-गणनाओं में से एक है, जो भारतीय विज्ञान और खगोल शास्त्र की श्रेष्ठता को दर्शाता है।

भोपालः एनेस्थीसिया के ओवरडोज से मेल नर्स की मौत, कारणों की जांच जारी

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के भोपाल शहर के भानपुर इलाके में एक मेल नर्स की एनेस्थीसिया के ओवरडोज से मौत हो गई। पुलिस को मौके से इंजेक्शन और सिरिंज बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

पुलिस के अनुसार, मृ तक दुर्गेश अहिरवार, (26 वर्षीय) मूलतः जिला विदिशा के कुरवाई का निवासी था और भोपाल में रहकर बी-फार्मेसी अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। इसके साथ ही वह एक निजी नर्सिंग होम में कार्यरत था। वह भानपुर स्थित पटेल नगर में किराए के कमरे में रहता था। शुक्रवार सुबह दुर्गेश का बड़ा भाई परीक्षा देने घर से निकल रहा था। इस दौरान उसने दुर्गेश को उठाने की कोशिश की, लेकिन कई बार आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद परिजन उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मौके से मिले इंजेक्शन और सिरिंज

पुलिस को कमरे से एक इंजेक्शन और सिरिंज मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। प्राथमिक तौर पर एनेस्थीसिया के ओवरडोज से मौत की बात सामने आई है। शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

परिजनों ने नहीं जताई किसी तनाव की जानकारी

परिजनों के अनुसार, दुर्गेश ने कभी किसी मानसिक तनाव या परेशानी का जिक्र नहीं किया था। घटना के समय उसकी बहन और बहनोई, जो पास में ही रहते हैं, घर पर मौजूद नहीं थे।

हर पहलू से जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है और कॉल डिटेल सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस प्रेम संबंध, कार्यस्थल या पढ़ाई से जुड़े किसी संभावित दबाव सहित सभी कोणों से जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश में बिजली दर बढ़ोतरी पर सियासत तेज, जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश में बिजली दरों में प्रस्तावित 4.80 प्रतिशत बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर इस फैसले का कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इसे आम उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला और सरकारी वसूली का मॉडल बताया है।जीतू पटवारी ने अपने पत्र में कहा कि 1 अप्रैल से लागू होने जा रही बिजली दरों में वृद्धि ऐसे समय में की जा रही है, जब जनता पहले ही महंगाई की मार झेल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार यह स्पष्ट क्यों नहीं कर रही कि बढ़ोतरी की मजबूरी क्या है। पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि पिछले एक दशक में प्रदेश में बिजली दरों में 22 से 24 प्रतिशत तक वृद्धि हो चुकी है। घरेलू उपभोक्ताओं के 0-50 यूनिट स्लैब में दर 3.65 रुपये से बढ़कर 4.45 रुपये प्रति यूनिट हो गई है, जो 20 प्रतिशत से अधिक इजाफा है। इसके अलावा, हर महीने फ्यूल प्राइस एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (FPPAS) के नाम पर 3 प्रतिशत से ज्यादा अतिरिक्त बोझ भी उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है।

मुख्यमंत्री से पूछे सवाल

बिजली कंपनियों के घाटे की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती?
हर साल घाटा दिखाकर जनता से वसूली क्यों की जाती है?
क्या कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है?
क्या गरीब, किसान और मध्यम वर्ग सिर्फ बिल भरने के लिए रह गए हैं?

ईवी छूट को बताया 'दिखावा'

राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग पर 20 प्रतिशत छूट के दावे को भी पटवारी ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी ईवी उपभोक्ताओं की संख्या सीमित है, ऐसे में इसका लाभ आम लोगों को नहीं मिल रहा और यह सिर्फ नीतिगत दिखावा है।

चार प्रमुख मांगें रखीं

4.80 प्रतिशत बिजली दर वृद्धि तत्काल वापस ली जाए।
FPPAS जैसे अतिरिक्त शुल्कों की पारदर्शी समीक्षा हो।
बिजली कंपनियों के घाटे की स्वतंत्र जांच कराई जाए।
गरीब और मध्यम वर्ग के लिए राहत पैकेज घोषित किया जाए।

आंदोलन की चेतावनी

पटवारी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार यह फैसला वापस नहीं लेती है, तो कांग्रेस सड़कों से लेकर विधानसभा तक इस मुद्दे पर व्यापक आंदोलन करेगी।

क्या है पूरा मामला

मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिजली दरों में औसतन 4.80 प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। नई दरें 1 अप्रैल से लागू होंगी, जिसमें अलग-अलग श्रेणियों में 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट तक बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, 150 यूनिट तक की खपत पर सब्सिडी जारी रखने और कुछ श्रेणियों (जैसे कम आय वर्ग और मेट्रो रेल) को राहत देने की बात भी कही गई है। इसके बावजूद, आम घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों पर इसका

भोपाल के कम्मू का बाग में कुख्यात बदमाश की सरेआम गुंडागर्दी, घर में घुसकर महिला पर की ताबड़तोड़ फायरिंग

भोपाल। राजधानी के ऐशबाग थाना क्षेत्र के कम्मू का बाग इलाके में गुरुवार देर रात एक कुख्यात बदमाश ने घर में घुसकर 50 वर्षीय महिला पर जानलेवा हमला कर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। महिला बाल-बाल बच गई, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घर में घुसकर चलाई गोलीपुलिस के अनुसार कम्मू का बाग निवासी रिहाना (50) रात करीब 11 बजे घर पर थीं। तभी क्षेत्र का बदमाश Danish Ali वहां पहुंचा और उनके बेटे के बारे में पूछताछ करने लगा। महिला द्वारा बेटे के घर पर नहीं होने की बात कहने पर आरोपी ने गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए फायरिंग कर दी।

भोपाल एयरपोर्ट पर 29 मार्च से लागू होगा समर शेड्यूल, नवीं मुंबई के लिए मिलेगी नई उड़ान, गोवा फ्लाइट होगी बंद

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के राजाभोज विमानतल पर आगामी 27 मार्च को समर सीजन शेड्यूल लागू हो रहा है। इस सीजन में भोपाल को नए शहरों की कनेक्टिविटी के नाम पर केवल नवीं मुंबई तक एक नई उड़ान शुरू हो रही है, जबकि गोवा रूट पर संचालित इंडिगो की उड़ान 29 मार्च से बंद हो जाएगी।

राजाभोज विमानतल के निदेशक रामजी अवस्थी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि समर सीजन शेड्यूल के साथ भोपाल से हवाई कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी होने जा रही है। नए शेड्यूल के तहत नवी मुंबई और हैदराबाद के लिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी, जिससे यात्रियों को पहले से अधिक विकल्प मिलेंगे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद भोपाल से कुल 36 उड़ानों (18 जोड़ी) का संचालन होने लगेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मंजूरी मिलने के बाद भोपाल से नया समर सीजन शेड्यूल लागू किया जा रहा है। नए शेड्यूल के अनुसार इंडिगो एयरलाइंस मुंबई और हैदराबाद के लिए अतिरिक्त उड़ान शुरू करेगी। इससे इन दोनों शहरों के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों को ज्यादा सुविधा मिलेगी।नए शेड्यूल के अनुसार भोपाल से दिल्ली, मुंबई, नवी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और रायपुर के लिए सीधी उड़ान सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इन उड़ानों का संचालन इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा किया जाएगा। वहीं, समर सीजन में दिल्ली के लिए सबसे अधिक 7 दैनिक उड़ानों का संचालन होगा। इससे यात्रियों को दिन के अलग-अलग समय पर दिल्ली जाने का विकल्प मिलेगा। वहीं मुंबई के लिए चार, बेंगलुरु के लिए तीन और हैदराबाद के लिए दो उड़ानें उपलब्ध रहेंगी।समर सीजन में एयर इंडिया एक्सप्रेस भोपाल में अपना बेस स्टेशन शुरू करने जा रही है। कंपनी बेंगलुरु के लिए उड़ान सेवा संचालित करते हुए यहां से अपनी गतिविधियां शुरू करेगी। हालांकि, गोवा जाने वाल यात्रियों को समर सीजन में परेशानी उठानी पड़ेगी, क्योंकि 29 मार्च से भोपाल-गोवा के बीच चलने वाली इंडिगो की फ्लाइट बंद हो जाएगी।

भोपाल में कचरे से बनेगा टोरिफाइड चारकोल, प्लांट का ट्रायल रन शुरू

भोपाल,(निप्र.)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट की दिशा में भोपाल नगर निगम ने एक अहम कदम उठाया है। शहर के सूखे कचरे के शत-प्रतिशत निष्पादन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को आदमपुर में स्थापित टोरिफाइड चारकोल प्लांट का ट्रायल रन शुरू कर दिया गया है।नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के सहयोग से स्थापित इस प्लांट के जरिए प्रतिदिन 400 टन सूखे कचरे से टोरिफाइड चारकोल तैयार किया जाएगा। तैयार चारकोल का उपयोग एनटीपीसी अपने कार्यों में करेगा।नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने शुक्रवार को प्लांट का निरीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली और क्षमता की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संयंत्र का पूर्ण संचालन जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए।अधिकारियों के अनुसार, इस प्लांट के निर्माण और संचालन के लिए 12 अक्टूबर 2021 को अनुबंध किया गया था। ट्रायल रन के तहत पिछले तीन दिनों में करीब 800 टन सूखा कचरा प्लांट को उपलब्ध कराया गया है, जबकि पूरे ट्रायल के दौरान लगभग 1800 टन कचरे का प्रोसेस किया जाएगा। पीपीपी मॉडल पर करीब 220 करोड़ रुपये की लागत से 15 एकड़ भूमि पर स्थापित यह संयंत्र मध्यप्रदेश का पहला और देश का दूसरा टोरिफाइड चारकोल प्लांट है।

9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज, 2888 एलपीजी सिलेण्डर किये जब्त

प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और गैस का पर्याप्त स्टॉक : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(ए.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी (LPG), पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। भारत की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल (Crude Oil) का भंडार भी पर्याप्त है। जिससे सप्लाई में कोई रुकावट नहीं है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 2046 स्थानों पर जांच की गई और 2888 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 09 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई।

रसोई गैस (LPG) की स्थिति-

LPG के बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक है। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय (E&tended Hours) तक काम कर रहे हैं।

पेट्रोल, डीजल की उपलब्धता

प्रदेश में आज की स्थिति में सभी ऑयल कंपनियों के पास

पेट्रोल/डीजल (MS/HSD) का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सभी ऑयल कंपनियों के पास रोजाना नया स्टॉक पहुँच रहा है। इससे आने वाले दिनों की मांग को आसानी से पूरा किया जा सकता है।

पैनिक बाइंग और भीड़ का कारण

मध्यप्रदेश में पेट्रोल और डीजल की सामान्य बिक्री प्रतिदिन लगभग 18548 KL होती है। पिछले कुछ दिनों में ग्राहकों द्वारा पैनिक बाइंग (डर के कारण अधिक खरीदारी) करने से कुछ जिलों में बिक्री 2 से 2.5 गुना बढ़ गई है। इसी वजह से कुछ पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइनें और अस्थायी रूप से स्टॉक खत्म होने जैसी स्थिति बनी थी। पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की कमी की कोई स्थिति नहीं है। कंपनी के डिपो से भी डीजल/पेट्रोल की लगातार पूर्ति की जा रही है।

अतिरिक्त मांग को पूरा करने के कदम

इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सभी सप्लाई लोकेशन ज्यादा समय तक काम कर रहे हैं और मांग को पूरा कर स्थिति को सामान्य किया जा रहा है।

अपील

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है।उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा आवश्यनकता अनुसार ही पेट्रोल, डीजल क्रय करें। किसी प्रकार का संग्रह न करें। ऑयल कंपनी की ओर से यह दोहराया गया है कि LPG, पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में है। मध्यप्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

राम जन्मोत्सव पर तुलसी नगर के राम-जानकी मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

इंदौर (ए.)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव राम नवमी पर तुलसी नगर स्थित सरस्वती धाम एवं अनंतेश्वर धाम के राम-जानकी मंदिरों में आस्था और उल्लास का अनुपम संगम देखने को मिला। प्रात:काल से ही दोनों मंदिरों में माता जानकी और भगवान श्रीराम का विधिवत अभिषेक, पूजन एवं हवन संपन्न हुआ, जिसके पश्चात प्रभु को छप्पन भोग अर्पित किए गए। भव्य महाआरती के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के जय श्रीराम के उद्घोष से संपूर्ण क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

इसी क्रम में अनंतेश्वर धाम स्थित राम दरबार में अनंतेश्वर सेवा संस्था के तत्वावधान में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की मातृशक्तियों और पुरुष श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सहभागिता की। उत्सव के उपलक्ष्य में मंदिरों को आकर्षक पुष्प सज्जा और विद्युत सज्जा से सुसज्जित किया गया, जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र रही। संध्या काल में भजन प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बनाए रखा। आयोजन समिति के अनुसार, राम नवमी के दूसरे दिन अनंतेश्वर धाम में विशाल महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले की मोहखेड़ तहसील के ग्राम करेर पहुंच कर छिंदवाड़ा बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से भेंट कर ढाँढस बँधाया

स्टार्टअप 'एसी डॉक्टर' को वैश्विक ब्रांड डाइकिन का 'बेस्ट सर्विस पार्टनर' अवॉर्ड

इंदौर (ए.)। इंदौर के युवाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप 'एसी डॉक्टर' ने एयर कंडीशनिंग सर्विस सेक्टर में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वैश्विक एसी ब्रांड डाइकिन ने कंपनी को अपने पहले ही वर्ष के सहयोग में 'बेस्ट सर्विस पार्टनर' अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान स्टार्टअप की कार्यक्षमता, सर्विस क्वालिटी और बेहतर ग्राहक संतुष्टि का प्रमाण है। एसी डॉक्टर की विशिष्टता उनकी पेटेंटेड और इनोवेटिव एसी क्लीनिंग प्रक्रिया है, जिसे कंपनी ने बाकायदा रजिस्टर करवाया है। इन-हाउस प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की टीम के साथ यह स्टार्टअप इंदौर में तेज और टेक्निकली एडवांस्ड सॉल्यूशंस के लिए अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।

कंपनी के प्रतिनिधि इरशाद मुबीन और यजुवेंद्र सिसोदिया ने इस सफलता का श्रेय टीम की मेहनत और ग्राहकों के विश्वास को दिया है। उन्होंने बताया कि इंदौर में सफलता के बाद अब कंपनी अन्य शहरों में अपनी प्रोफेशनल सेवाओं के विस्तार की योजना पर तेजी से काम कर रही है ताकि कूलिंग सर्विस इंडस्ट्री में नए मानक स्थापित किए जा सकें।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा का योगदान अविस्मरणीय रहेगा : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के जयंती समारोह एवं कृषक सम्मेलन में हुए शामिल

रीवा (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सेमरिया क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा का स्वतंत्रता आंदोलन में दिया गया योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश को आगे ले जाने में हम सभी को समवेत होना है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल रीवा के सेमरिया में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा के जयंती समारोह में आयोजित कृषक सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने मोलई कुशवाहा की मूर्ति के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज सौभाग्यशाली दिन है, क्योंकि आज भगवान राम का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जा रहा है साथ ही इस क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री मोलई कुशवाहा की जयंती है और आज ही कृषक सम्मेलन में प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया जा रहा है। स्वयं को एवं अपनी धरती माता को स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक खेती आवश्यक है। किसान भाईयों को चाहिए कि वह उपलब्ध जमीन में से कुछ हिस्से में प्राकृतिक खेती करें। मानवता को निरोगी रखने का सही साधन प्राकृतिक खेती ही है। उन्होंने कुशवाहा समाज के लोगों से आह्वान किया कि वह प्राकृतिक खेती को अपनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें क्योंकि उनका कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में अग्रणी स्थान है। रीवा जिले के निवासी प्राकृतिक खेती को अपनाने में आगे आ रहे हैं। गौ माता धरती में जीती जागती देवी की स्वरूप हैं। इनके गोबर और गौमूत्र का उपयोग भगवान के पूजन में किया जाता है। गौ माता के गोबर से निर्मित खाद और कीटनाशक प्राकृतिक खेती के लिए लाभकारी है। प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने के लिए सभी को संकल्पित होने का आह्वान किया।

रतलाम के डायल-112 हीरोजः मोटर साइकिल दुर्घटना में घायल हुए 03 व्यक्तियों को त्वरित सहायता कर पहुँचाया अस्पताल

रतलाम (ए.)। रतलाम जिले के थाना इंडस्ट्रियल एरिया जावरा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से मोटर साइकिल दुर्घटना में घायल एक बच्ची सहित तीन व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया।

इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को समय रहते चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। दिनांक 26 मार्च को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना इंडस्ट्रियल एरिया जावरा क्षेत्र अंतर्गत सवेरा होटल, बेगमपुरा चौराहे के पास एक मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें एक बच्ची सहित पति-पत्नी घायल हो गए हैं एवं तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही इंडस्ट्रियल एरिया जावरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ आरक्षक संदीप कुमरे एवं पायलट नंद लाल ने मानवीय संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए सभी घायलों को एफआरव्ही वाहन की मदद से शीघ्रता से शासकीय चिकित्सालय, जावरा पहुँचाया, डायल-112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। डायल-112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

व्यापार समाचार

वंदे भारत में यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ पड़ा भारी, IRCTC ने ठेकेदार को किया ब्लैकलिस्ट; mul को भी थमाया नोटिस

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेलवे की सबसे प्रीमियम ट्रेनों में शुमार वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसे गए खराब खाने को लेकर अब एक बड़ा एक्शन देखने को मिला है। पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस में एक यात्री को परोसे गए अमूल ब्रांड के खराब दही के मामले को आईआरसीटीसी (IRCTC) ने बेहद गंभीरता से लिया है। 15 मार्च को दर्ज की गई इस शिकायत के बाद आईआरसीटीसी ने सीधे अमूल कंपनी को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही यात्रियों की सेहत के साथ हुए इस खिलवाड़ पर कैटरिंग ठेकेदार के खिलाफ भी सख्त कदम उठाते हुए भारी जुर्माना लगाया गया है।

कैटरिंग ठेकेदार पर गिरी गाज, लाइसेंस रद्द करने की तैयारी

जानकारी के मुताबिक, यात्री की इस गंभीर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आईआरसीटीसी ने ट्रेन के लाइसेंसी कैटरिंग ठेकेदार पर कड़ा जुर्माना लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिर्फ जुर्माना ही नहीं, बल्कि लाइसेंसी का कॉन्ट्रैक्ट पूरी तरह से समाप्त करने की आधिकारिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, भविष्य में ऐसी लापरवाही को रोकने के लिए उक्त ठेकेदार को सख्त हिदायत देते हुए ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी की जा रही है, ताकि वह आगे से रेलवे में किसी भी तरह की सेवाएं न दे सके।

रेलवे ने IRCTC और वेंडर पर ठोका था लाखों का जुर्माना

इस पूरे विवाद में अब आईआरसीटीसी ने अमूल कंपनी को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है, क्योंकि रेलवे ने ब्रांडेड दही की खराब गुणवत्ता को लेकर गहरी चिंता जाहिर की है। आपको बता दें कि इस मामले के तूल पकड़ते ही भारतीय रेलवे ने सबसे पहले अपने स्तर पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अपनी ही कंपनी आईआरसीटीसी पर 10 लाख रुपये का भारी-भरकम जुर्माना ठोक दिया था।

इसके अलावा वंदे भारत एक्सप्रेस में खाना परोसने वाली मुख्य कंपनी पर भी रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और उसके कॉन्ट्रैक्ट को टर्मिनेट करने के सख्त निर्देश दिए थे।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल, एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

नई दिल्ली (आरएनएस),। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।

विश्व व्यापार संगठन में सुधार समावेशी और सदस्य-संचालित होने चाहिए : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (आरएनएस),। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कैमरून के याउंडे में चल रहे 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) में शुक्रवार को कहा कि डब्ल्यूटीओ सुधारों को एक पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से आगे बढ़ाया जाना चाहिए, जिसके मूलमंत्र में विकास हो।

उन्होंने बिना भेदभाव वाले, सर्वसम्मति आधारित निर्णय लेने और समानता जैसे प्रमुख सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सम्मेलन के दौरान गोयल ने कैमरून के प्रधानमंत्री जोसेफ डियोन न्गुटे से मुलाकात की और भारत-कैमरून सहयोग को मजबूत करने के तरीकों सहित द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

नेताओं ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मूलभूत मुद्दों, जिनमें इसके मूल सिद्धांत भी शामिल हैं, पर भी चर्चा की।

गोयल ने एमसी14 के एजेंडे पर चर्चा करने के लिए डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला से मुलाकात की और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों की समीक्षा के लिए नीदरलैंड, फ्रांस और इथियोपिया के अपने समकक्षों से अलग से मुलाकात की।

इसके अतिरिक्त सम्मेलन में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने चिली, पैराग्वे, अमेरिका, नेपाल, फिलीपींस, सऊदी अरब, मैक्सिको, पेरू, रूस और न्यूजीलैंड के समकक्षों के साथ-साथ यूरोपीय संघ के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।डब्ल्यूटीओ का एमसी14 सत्र 26 मार्च को याउंडे में कैमरून के व्यापार मंत्री की अध्यक्षता में एक औपचारिक सत्र के साथ शुरू हुआ और 29 मार्च को समाप्त होगा।उद्घाटन सत्र में डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला और सदस्य देशों के व्यापार मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

यूपी सरकार ने पंच एआई के साथ एमओयू किया रद्द, जांच में खामियां मिलने पर लिया फैसला

लखनऊ (आरएनएस),। उत्तर प्रदेश सरकार ने पारदर्शिता और सुशासन को ध्यान में रखते हुए पंच एआई के साथ किया गया समझौता रद्द कर दिया है।

निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 23 मार्च को साइन किए गए इस एमओयू की मानक प्रक्रिया के तहत समीक्षा की गई थी। एजेंसी के मुताबिक, निवेशक से आवश्यक दस्तावेज और जानकारी मांगी गई थी, लेकिन कंपनी समय पर जरूरी विवरण उपलब्ध नहीं करा सकी। ड्यू डिलिजेंस (जांच) के दौरान कंपनी की नेटवर्थ और इतने बड़े प्रोजेक्ट के अनुरूप विश्वसनीय वित्तीय आधार की कमी सामने आई।इसके बाद राज्य सरकार के निर्देश पर एमओयू को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि अब इस समझौते से जुड़े कोई अधिकार या दायित्व शेष नहीं हैं। गौरतलब है कि इंवेस्ट यूपी ने पंच एआई के साथ राज्य में करीब 25,000 करोड़ रुपये के निवेश से एआई पार्क स्थापित करने के लिए यह एमओयू किया था।

इससे पहले, इस स्टार्टअप की वित्तीय और संचालन क्षमता को लेकर सवाल उठ रहे थे। बताया जा रहा है कि पंच एआई एक अपेक्षाकृत नई कंपनी है, जिसकी सालाना आय 50 लाख रुपये से भी कम है।

देशभर में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई सामान्य, तेजी से बढ़ाए जा रहे पीएनजी कनेक्शन : केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने साफ किया है कि देशभर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और सभी रिटेल पेट्रोल पंप सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। सरकार के मुताबिक, देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। सरकार ने बताया कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भी पर्याप्त भंडार मौजूद है। हालांकि, कुछ जगहों पर अफवाहों के चलते लोगों ने घबराकर ज्यादा खरीदारी की, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं।

सरकार ने बताया कि घरेलू पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) और सीएनजी ट्रांसपोर्ट की आपूर्ति 100 प्रतिशत बनाए रखी जा रही है। वहीं, औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को औसत खपत के लगभग 80 प्रतिशत तक गैस सप्लाई दी जा रही है, ताकि उनका कामकाज प्रभावित न हो और देश की आर्थिक गतिविधियां जारी रहें।

इस बीच, सरकार ने नेचुरल गैस एंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर, 2026 को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य पूरे देश में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को तेज करना है। इस नए फ्रेमवर्क से समयबद्ध तरीके से पाइपलाइन बिछाने में मदद मिलेगी और जमीन से जुड़ी दिक्कतों को भी कम किया जा सकेगा। पीएनजी कनेक्शन के विस्तार में भी तेजी आई है। एक ही दिन में 110 से ज्यादा भौगोलिक क्षेत्रों में रिकॉर्ड 9,046 नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए। इस काम को बढ़ावा देने के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) और 'गेल' जैसी कंपनियां नए प्रोत्साहन दे रही हैं। वहीं, दिल्ली में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 24 घंटे पाइपलाइन बिछाने की अनुमति दे दी है और सड़क मरम्मत शुल्क भी माफ कर दिया है।

प्रक्रिया को और तेज करने के लिए पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन (पीईएसओ) को निर्देश दिया गया है कि वे सीजीडी (सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन) से जुड़े आवेदनों का निपटारा 10 दिनों के भीतर करें। वहीं, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने निर्देश दिया है कि आवासीय स्कूल, छात्रावास और सामुदायिक रसोई जैसे स्थानों पर पीएनजी कनेक्शन प्राथमिकता के आधार पर 5 दिनों में दिए जाएं।

एलपीजी की सप्लाई को लेकर भी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कमर्शियल एलपीजी का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इस अतिरिक्त सप्लाई को खासतौर पर होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट और प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलो वाले सिलेंडर में प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अलावा, राज्यों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी देने की भी पेशकश की गई है, जो इस बात पर निर्भर करेगी कि वे कितनी तेजी से उपभोक्ताओं को एलपीजी से पीएनजी की ओर शिफ्ट कर रहे हैं।

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच लाल निशान में खुला शेयर बाजार

मुंबई (आरएनएस),। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत शुक्रवार के सत्र में लाल निशान में हुई। सुबह 9ः18 पर सेंसेक्स 808 अंक या 1.07 प्रतिशत की गिरावट 74,435 और निफ्ट 274 अंक या 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,033 पर था।

बाजार में चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। शुरुआती कारोबार पीएसयू बैंक और ऑटो गिरावट का नेतृत्व कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो टॉप लूजर्स थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी मेटल और निफ्टी इन्फ्रा गेनर्स थे। केवल निफ्टी आईटी ही हरे निशान में था।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 561 अंक या 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,769 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 130 अंक या 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 15,766 पर था। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टीसीएस, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और ट्रेंट गेनर्स थे। इटरनल, बजाज फिनसर्व,एचडीएफसी बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, मारुति सुजुकी, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक और पावर ग्रिड लूजर्स थे।एशियाई बाजारों में टोक्यो, सोल और जकार्ता हरे निशान में खुले थे, जबकि शंघाई, हांगकांग लाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार गुरुवार को लाल निशान में बंद हुए थे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

समस्याएं दूर नहीं हुई

अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है। मगर निर्यात, ऋण, कर वसूली, बिजली उपभोग, बिक्री, एवं औद्योगिक उत्पादन संकेतक आदि से संबंधित आंकड़े इस रुझान की पुष्टि नहीं करते। अर्थशास्त्रियों के लिए इसे समझना रहस्य बना रहा है। हाल में जीडीपी के अपनाए गए नए आधार वर्ष और नई विधि के बावजूद यह रहस्य सुलझा नहीं है। अमेरिका स्थित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनमिक्स (पीआईआईई) के एक ताजा शोध पत्र में इस रहस्य को समझने की कोशिश की गई है।

भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं अब पीआईआईई से जुड़े अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम और दो अन्य अर्थशास्त्री इस शोध में शामिल हुए। वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जीडीपी की नई सीरीज अपनाए जाने के बावजूद वे समस्याएं दूर नहीं हुई हैं, जिस कारण पुरानी सीरीज से अयथार्थ तस्वीर उभरती थी। इन अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध जनवरी 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई थी। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था। तब थोक मूल्य सूचकांक का सेवा क्षेत्र में भी डिफ्लेटर के रूप मे इस्तेमाल किया जाने लगा। इन अर्थशास्त्रियों का दावा है कि डब्लूपीआई सेवा क्षेत्र के मूल्यों को समाहित कर पाने में विफल रहता है।

इन बिंदु पर इस बार भी सुधार हुआ नहीं दिखता। एक अन्य समस्या औपचारिक क्षेत्र के आधार पर अनौपचारिक क्षेत्र के प्रदर्शन का आकलन है। अनौपचारिक क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और कोविड लॉकडाउन से अधिक बुरी तरह प्रभावित हुआ, लेकिन वो हकीकत जीडीपी आंकड़ों में नहीं झलकी। पिछले दो दशक के आंकड़ों की गणना के आधार पर शोध पत्र में कहा गया है कि विसंगतियों के कारण संभवत: 2005 से 2011 तक असल जीडीपी का एक से डेढ़ प्रतिशत कम अंदाजा लगा, जबकि 2012 से 2023 तक इसे डेढ़ से दो प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया। अपेक्षा थी कि नई सीरीज से इसमें सुधार होगा। मगर पीआईआईई के शोध-पत्र ने इस संबंध में नए संदेह खड़े कर दिए हैं।

अफवाहों की आग में ईंधन संकट का भ्रम सच से दूर भीड़, व्यवस्था पर बढ़ता दबाव और जिम्मेदारी की कसौटी

कांतिलाल मांडोत

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों पेट्रोल-डीजल को लेकर जो दृश्य सामने आए हैं, वे केवल आपूर्ति का मामला नहीं बल्कि मनोविज्ञान, सूचना और सामाजिक व्यवहार का भी प्रतिबिंब हैं। एक ओर सरकार और प्रशासन लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि ईंधन की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर असामान्य भीड़, लंबी कतारें और कई जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। यह पूरा घटनाक्रम हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर सूचना के इस युग में भी अफवाहें इतनी प्रभावी कैसे हो जाती हैं।

राजधानी लखनऊ से लेकर गोंडा, झांसी, कौशांबी और चित्रकूट जैसे जिलों में पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने न केवल अपने वाहनों में ईंधन भरवाया बल्कि बड़े-बड़े डिब्बों और ड्रमों में भी पेट्रोल-डीजल जमा करना शुरू कर दिया। लखनऊ के कठौता चौराहे पर सैकड़ों मीटर लंबी कतारें लगीं, जबकि गोंडा में तो स्थिति इतनी बिगड़ गई कि लाइन में लगे लोगों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प तक हो गई।

यह दृश्य किसी वास्तविक संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि एक अफवाह का असर था। जैसे ही यह खबर फैली कि पेट्रोल-डीजल खत्म हो सकता है, लोगों में एक प्रकार का भय पैदा हो गया। यह भय ही भीड़ का सबसे बड़ा कारण बना। जब लोग देखते हैं कि दूसरे लोग बड़ी मात्रा में ईंधन ले रहे हैं, तो वे भी उसी दिशा में कदम बढ़ा देते हैं। इसे सामूहिक व्यवहार की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, जिसमें व्यक्ति अपनी स्वतंत्र सोच के बजाय भीड़ के व्यवहार का अनुसरण करता है।

हालांकि, दूसरी ओर कई जिलों में स्थिति पूरी तरह सामान्य भी रही। गाजियाबाद, मेरठ और वाराणसी जैसे शहरों से रिपोर्ट मिली कि वहां पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की किल्लत नहीं है और लोग सामान्य रूप से ईंधन ले रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या वास्तविक आपूर्ति की नहीं, बल्कि धारणा और सूचना की है।

प्रदेश सरकार ने भी समय रहते स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने साफ कहा कि सभी जिलों में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि जो लोग अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम आवश्यक भी है, क्योंकि झूठी जानकारी न केवल भ्रम फैलाती है, बल्कि व्यवस्था को भी बाधित करती है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू किसानों से जुड़ा हुआ है। गेहूं की कटाई का समय होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। कन्नौज जैसे इलाकों में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में ड्रम लेकर डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। यह उनकी आवश्यकता है, लेकिन जब इसमें अफवाह का तत्व जुड़ जाता है, तो मांग असामान्य रूप से बढ़ जाती है और व्यवस्था पर दबाव पड़ता है।

कुछ जिलों में प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए विशेष कदम उठाने पड़े। कहीं-कहीं पेट्रोल की मात्रा पर सीमा तय की गई, तो कहीं पुलिस की तैनाती कर दी गई। अंबेडकरनगर और बहराइच में पेट्रोल पंपों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन सक्रिय रहा। वहीं श्रावस्ती में डिब्बों में ईंधन देने पर रोक के विरोध में किसानों ने सड़क जाम तक कर दिया। यह दर्शाता है कि जब सूचना स्पष्ट नहीं होती, तो असंतोष और टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

कुछ स्थानों पर वास्तविक समस्या भी सामने आई, जैसे हाथरस और चित्रकूट में कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो गया। लेकिन यह कमी व्यापक नहीं थी, बल्कि स्थानीय स्तर पर असंतुलित मांग के कारण हुई। जब एक ही समय में बहुत अधिक लोग ईंधन लेने पहुंचते हैं, तो अस्थायी कमी होना स्वाभाविक है। इसे वास्तविक संकट नहीं कहा जा सकता।

इस पूरे मामले में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जहां जिम्मेदार पत्रकारिता लोगों को सही जानकारी देती है, वहीं सोशल मीडिया पर बिना सत्यापन के फैलने वाली खबरें स्थिति को बिगाड़ सकती हैं। आज के डिजिटल युग में हर व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि प्रसारक भी बन गया है। ऐसे में जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण सबक भी देती है। किसी भी संकट या संभावित संकट की स्थिति में संयम और विवेक सबसे जरूरी होते हैं। यदि लोग अफवाहों के आधार पर अनावश्यक खरीदारी करने लगें, तो वे खुद ही उस संकट को जन्म दे देते हैं, जिससे वे बचना चाहते हैं। यही कारण है कि सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल खरीदें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल को लेकर जो स्थिति बनी, वह वास्तविक संकट से अधिक मनोवैज्ञानिक और सूचनात्मक संकट थी। प्रशासन की तत्परता और स्पष्टता के कारण स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। लेकिन यह घटना हमें यह जरूर सिखाती है कि अफवाहें कितनी खतरनाक हो सकती हैं और उनसे बचने के लिए समाज को कितना सजग रहना आवश्यक है।

आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

सौरभ वार्ष्णेय

आज जीवन की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई है कि जीवन में थोडी सी निराशा आई नहीं कि मानव आत्महत्या की ओर अग्रसर हो जाता है । क्या उसे आत्महत्या के आलावा अन्य विकल्प नहीं दिखता ताकि वह इस सोच से आगे बढ़ सके। हमारे समाज को भी इस ओर सोचना होगा कि अगर कोई बेरोजगार है या किसी समस्या से ग्रसित है तो उसे प्यार से आगे बढने का संदेश दें जिससे वह उस निराशा समय से निकल सके। आज के तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक दबाव, असफलताओं का भय और अकेलेपन की भावना कई लोगों को भीतर से तोड़ रही है। ऐसे में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार मन में आना एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट का संकेत है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का परिणाम भी है। देश में आत्महत्या के आंकड़े तो उपलब्ध नहीं है ? लेकिन आए दिन अखबारों में यह खबर दिल को झकझौर देती है।

अधिकतर खबरें कॉलेज, किसान, व्यवसायी, बेराजगारी से ही आतीं हैं। कारण अलग अलग हो सकते हैं। लेकिन शब्द एक ही आता है हताशा-निराशा? माना कि जीवन के संघर्ष में कुछ समय ऐसा आ जाता है कि जब चारों ओर से अंधेरा दिखाई देता है जो आगे का रास्ता अंधेरा बंद कर देता है। ऐसे में कही से एक आशा की किरण दिखाई दे जाये तो कुछ हद तक इन आत्महत्याओं पर रोक लग सकेगी। आज हम एक बात अच्छी तरह समझ लें कि यह काया जो हमें प्रकृतित्व से मिली है। वह

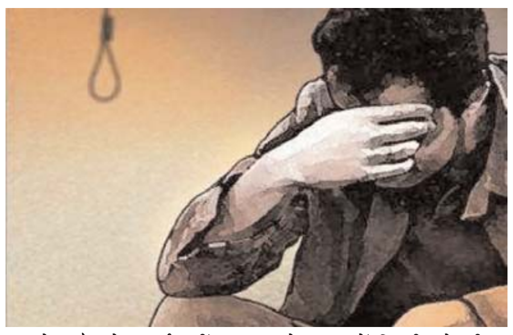

अनमोल है इसे वयर्थ नहीं कर सकते जब हमें किसी को जीवन देने का अधिकार नहीं है तो जीवन खत्म करने का अधिकार कहां से मिल जाता है।

अगर हम छात्र जीवन में हैं तो हमें बार बार असफलता हाथ लगती है तो क्या हम इस पर ही निराशा समझ लेंगे? नहीं बरन यह असफलता ही हमें सफलता की कुंजी देती है जिससे जीवन भर हम कभी असफलता की और नहीं देती? आज हम उन सफल महापुरुषों की ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि उनके पीछे कितनी असफलताऐं जुड़ी है।

अगर किसान है तो फसल नष्ट होने पर हम निराशा की ओर चले जाते हैं क्योंकि फसल के लिए लिया गया उधार हमें भार मालूम चलता है। ऐसा नहीं है कि अगर एक फसल चौपट हुई है तो जीवन का आधार कहीं से यानी जीवन जीना ही छोड़ दें नहीं हमें आगे बढ़ना होगा । हमें किसान के साथ-साथ ऐसा भी कार्य करना होगा जिससे हमें एक सहायक कार्य भी करना होगा जो कि उसी खेती कार्य से जुड़ा होगा। इसके आलावा अन्य सरकारी सहायता पर ध्यान देना होगा।

इसके अलावा हम व्यवसायी हो या बेराजगार हैं तो हमें निराशा की जरूरत नहीं है। जीवन एक संघर्ष है। इसे ऐसे ही जीना पड़ता है। यह दुनिया है टांका टांकी को एक कुम्हार के घड़े की तरह लें जिसे कुम्हार तैयार करते समय उसमें चोटें मारता है।

आत्महत्या नहीं—जीवन का चयन करें

यह समझना जरूरी है कि जीवन में कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। लेकिन जब व्यक्ति निराशा के गहरे गर्त में होता है, तो उसे यही अंधेरा स्थायी लगने लगता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता होती है—समझ, सहानुभूति और संवाद की।

परिवार, मित्र और समाज की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई व्यक्ति असामान्य व्यवहार कर रहा है, खुद को अलग-थलग कर रहा है या बार-बार निराशा की बातें कर रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते संवेदनशील बातचीत, सहयोग और पेशेवर मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है।सरकार और संस्थाओं को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाना होगा। स्कूलों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग की व्यवस्था, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत करना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देना होगा।सबसे अहम बात—हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह अकेला नहीं है।

(विचार-मंथन) रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

सनत जैन

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यक्ता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फ़ीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप परिवार के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर पूर्ण रूप से सतर्क रहेंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज महाअष्टमी के दिन आपके सभी कार्य सफल होंगे। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज जरुरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपकी टेंशन ख़त्म होंगी। आज आप किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभायेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। माता महागौरी की कृपा से आपका जीवन खुशियों से भरा रहेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। पिता से आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज ऐसी पुरानी चीज आपके हाथ लग सकती है, जिसे पाकर आपको खुशी महसूस होगी। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बितायेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं। डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत है। व्यापार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी खुशियाँ लेकर आया है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनायेंगे। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं जिससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जायेंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंज्वाय करने का मौका मिलेगा। आज नई स्किल सीखने का विचार कर सकते हैं जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। रुपए पैसों के मामले में लापरवाही करने से आपको बचना चाहिए। टूर एंड ट्रेवल्स का काम कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होगा। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

नक्सलवाद का अंतिम अध्याय: 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सल-मुक्त, अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति की जीत

डॉ प्रदीप कुमार वर्मा

महज 29 दिन बाकी हैं। 31 मार्च 2026 को भारत का वो काला अध्याय खत्म होने जा रहा है, जिसने पिछले पांच दशकों से देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों को खून से रंगा रखा था। लाल गलियारे का वो जाल, जो छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों के जंगलों में फैला हुआ था, अब टूटने की कगार पर है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरवरी 2025 में ही साफ़ तारीख दे दी थी - 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जायेगा। और अब, मार्च 2026 के पहले सप्ताह में, आंकड़े और घटनाएं बता रही हैं कि वो लक्ष्य हासिल होने वाला है। सन 2000 में लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म प्रभावित जिलों की संख्या 200 थी। सन 2014 में यह संख्या 126 थी। 2025 तक यह घटकर 38 रह गई। आज सिर्फ़ सात जिले बचे हैं - छत्तीसगढ़ के पांच, झारखंड और ओडिशा में एक-एक। इनमें भी सिर्फ़ तीन को सबसे अधिक प्रभावित' माना जा रहा है। हिंसा 70 प्रतिशत से ज्यादा घटी है। नागरिक और सुरक्षाबलों के शहीद होने की संख्या न के बराबर रह गई है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2025 में ही 2337 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं - 2024 के 881 की तुलना में 165 प्रतिशत बढ़ोतरी। 317 नक्सली मारे गए। हजारों गिरफ्तार हुए।

ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि एक रणनीति की जीत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ़ बहुआयामी लड़ाई लड़ी। सिर्फ़ गोली नहीं, विकास भी।केन्द्र शासित राज्यों में डबल इंजन' सरकार ने सड़कें, मोबाइल टावर, स्कूल, अस्पताल और रोजगार दिए। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलियों की भर्ती का सबसे बड़ा आधार - बेरोजगारी और पिछड़ापन - खत्म हुआ। झारखंड इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। एक समय यह राज्य नक्सलवाद का गढ़ था। 2014-19 में मुख्यमंत्री रघुबर दास के नेतृत्व में, जब केंद्र में भी मोदी सरकार थी, नक्सल समस्या में भारी कमी आई। सड़कों का जाल बिछा, पुलिस स्टेशन मजबूत हुए, स्थानीय युवाओं को नौकरियां मिलीं। आज झारखंड में नक्सली गतिविधियां न के बराबर हैं। डबल इंजन की ताकत यही है - सुरक्षा के साथ विकास। अमित शाह ने न सिर्फ़ सुरक्षा बलों को खुली छूट दी, बल्कि केंद्र-राज्य तालमेल को भी नया रूप दिया। उन्होंने बार-बार कहा - नक्सली या तो सरेंडर करो, वरना खत्म होने के लिए तैयार रहो। और सुरक्षा बलों ने ठीक वैसा ही किया। 2025 की कुछ बड़ी घटनाएं याद कीजिए: मई 2025 में छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ क्षेत्र में ऑपरेशन कागर' (या ब्लैक फॉरेस्ट) में माओइस्ट के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ़ बासवराजू समेत 27 नक्सली ढेर कर दिए गए। यह तीन दशकों का सबसे बड़ा झटका था। इसी वर्ष जनवरी 2026 में झारखंड के वेस्ट सिंहभूम जिले में ऑपरेशन मेगाबुरु' में 16 नक्सली मारे गए, जिनमें सेंट्रल कमिटी सदस्य आनंद उर्फ़ पटिराम मांझी (एनाल दा) शामिल था। उस पर 2.35 करोड़ का इनाम था।इसी वर्ष पिछले महीने फरवरी 2026 में तेलंगाना में टॉप कमांडर देवजी (थिप्पिरी तिरुपति) ने 20 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। देवजी 40 साल से जंगलों में था। इनके अलावा छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा में दर्जनों छोटे-बड़े एनकाउंटर हुए। स्नाइपर स्पेशलिस्ट, बैटालियन कमांडर, महिला कमांडर - सब एक-एक कर खत्म कर दिए गए या सरेंडर करने को मजबूर कर दिए गए। 2025 में अकेले छत्तीसगढ़ में ही 2100 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया, 1785 नक्सलियों की गिरफ्तारियां हुई और 477 नक्सली ढेर कर दिए गए। लेकिन सरकार सिर्फ़ नक्सलवाद खत्म करने पर नहीं अटकी। समस्या खत्म होने के बाद इसे दोबारा न उभरने देने का प्लान भी तैयार है। गृह मंत्रालय ने 31 लिगेसी थ्रस्ट डिस्ट्रिक्ट्स' चिन्हित किए हैं - जैसे महाराष्ट्र का गढ़चिरौली, मध्य प्रदेश का बालाघाट, तेलंगाना का भद्राद्री कोठागुडेम। ये वो इलाके हैं जहां नक्सलवाद कभी मजबूत था, लेकिन अब हिंसा लगभग खत्म हो चुकी है। इन्हें लिगेसी' कहा जाता है क्योंकि ये पुरानी प्रभाव वाली जगहें हैं, और थ्रस्ट' इसलिए क्योंकि यहां नक्सल विचारधारा दोबारा पनपने की आशंका बनी रह सकती है। इसलिए केंद्र की मोदी सरकार इन जिलों को सुरक्षा, विकास और सामाजिक योजनाओं में विशेष मदद दे रहा है। झारखंड में भी कई ऐसे जिले हैं, जैसे गुमला, खूंटी, सिमडेगा और चतरा, जहां पहले नक्सल प्रभाव था। इन जिलों में अब केन्द्र की मदद से विशेष विकास पहल चल रही हैं, जैसे 1947 के बाद पहली बार रेलवे कनेक्टिविटी लाई जा रही है। झारखंड के करीब 32.48 प्रतिशत क्षेत्र जंगल है, और गढ़वा, पलामू, लातेहार जैसे जिले पहले संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित थे। इन लिगेसी' इलाकों में अब विकास, सामाजिक योजनाएं और सुरक्षा को साथ-साथ मजबूत किया जा रहा है ताकि कोई भी छाया दोबारा न आए। क्योंकि नक्सल विचारधारा अभी पूरी तरह मरी नहीं है, सिर्फ़ हथियार डाल रही है। नक्सलवाद की जड़ें 1967 के नक्सलबाड़ी आंदोलन से जुड़ी हैं। तब यह किसान विद्रोह' के रूप में शुरू हुआ, लेकिन जल्दी ही हिंसा, आतंक और विकास-विरोधी बन गया। हजारों निर्दोष आदिवासी, जवानों और अधिकारियों की जान गई। स्कूल जलाए गए, सड़कें रोकी गईं, खनिज संपदा लूटने की कोशिशें हुईं। मोदी सरकार ने इसे सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा चुनौती' मानकर पूरी ताकत झोंक दी।आज जब 31 मार्च करीब है, तो पूरा देश गर्व से कह सकता है - लाल गलियारा अब हरा हो रहा है। जहां कभी बंदूक की गूंज थी, वहां अब विकास की आवाज़ है। सड़कें बन रही हैं, बच्चे स्कूल जा रहे हैं, युवा नौकरी पा रहे हैं।

हम दोनों काम पूरा करके दिखाते हैं', मिडिल ईस्ट तनाव के बीच ट्रंप ने की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें काम पूरा करने वाले नेता बताया था। इसके साथ ही, दूतावास ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच दूतावास के सोशल मीडिया पोस्ट ने अपनी टाइमिंग और मैसेज की वजह से ध्यान खींचा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, भारत के साथ हमारे शानदार संबंध आगे और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे लोग हैं जो काम पूरा करते हैं, ऐसा ज्यादातर लोगों के बारे में नहीं कहा जा सकता।

यह अपडेट दोनों नेताओं के बीच मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत के बाद आई है। मंगलवार को टेलीफोनिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने ईरान संघर्ष को लेकर अहम चर्चा की। कॉल के बाद, पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाली और वैश्विक व्यापार के लिए होर्मुज स्ट्रेट की रणनीतिक अहमियत पर भारत का पक्ष दोहराया।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आया और पश्चिम एशिया के हालात पर विचारों का अच्छा लेन-देन हुआ। भारत जल्द

से जल्द डी-एस्केलेशन और शांति बहाली का समर्थन करता है। यह सुनिश्चित करना कि होर्मुज स्ट्रेट खुला, सुरक्षित और एक्सेसिबल रहे, पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। हम शांति और स्थिरता की कोशिशों के बारे में संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

ट्रंप और पीएम मोदी ने फोन कॉल के दौरान इलाके में शांति और स्थिरता बनाए रखने की अहमियत पर जोर दिया। पीएम मोदी ने जोर दिया कि होर्मुज की रणनीतिक स्ट्रेट को खुला, सुरक्षित और एक्सेसिबल रखना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। दोनों पक्ष इलाके की सुरक्षा और वैश्विक शिपिंग लेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तरीकों पर करीबी बातचीत बनाए रखने पर सहमत हुए।

बता दें, यह बातचीत पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद बढ़ते तनाव के बीच हुई, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। बदले में, ईरान ने इलाके में अमेरिकी और इजरायली जगहों, इलाके की राजधानियों और सहयोगी सेनाओं को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इस लड़ाई ने ग्लोबल मार्केट पर असर डाला है और एनर्जी की कीमतें इलाके के डेवलपमेंट के हिसाब से बहुत ज्यादा सेंसिटिव बनी हुई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी ने पिछले कुछ सालों में एक उच्च स्तरीय राजनीतिक साझेदारी बनाए रखी है, जिसमें बड़े पब्लिक इवेंट, रणनीतिक बातचीत और अक्सर एक-दूसरे की तारीफ शामिल है। उनका सहयोग व्यापार, रक्षा और बड़ी रणनीतिक साझेदारी जैसे खास क्षेत्रों में फैला हुआ है, जो एक तेजी से बढ़ते कई पहलुओं वाले और नतीजों पर आधारित द्विपक्षीय संबंधों को दिखाता है।

फ्यूल संकट के बीच बड़ी राहत, सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई; दोनों पर 10 रुपए की कटौती

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति संकट के बीच केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये घटाकर 3 रुपये कर दी गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब तेल कंपनियों को महंगे दामों पर कच्चा तेल खरीदना पड़ रहा था। हालांकि, राज्य सरकारों द्वारा लगाया जाने वाला वैट (VAT) यथावत रहेगा। इससे पहले पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर थी।

वर्तमान में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.85 रुपए और डीजल 87.98 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपए और डीजल 90.03 रुपए प्रति लीटर है।

इस कटौती के बाद यदि तेल कंपनियां इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाती हैं, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 10 रुपये तक की कमी आ सकती है। फिलहाल यह राहत केवल एक्साइज ड्यूटी में कटौती के रूप में दी गई है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाई

नई दिल्ली,(ए)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है।

मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।यात्रियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एयर इंडिया ने कहा कि जिन यात्रियों ने उन मार्गों पर यात्रा के लिए बुकिंग की है जहां एयर इंडिया समूह की निर्धारित सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित हैं, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के भविष्य की तिथि के लिए आसानी से पुनर्बुक कर सकते हैं या पूर्ण धनवापसी का विकल्प चुन सकते हैं। यात्री वेबसाइट या 24 घंटे सातों दिन ग्राहक सेवा टीम के माध्यम से बदलाव कर सकते हैं। यूएई हवाई अड्डों से बुकिंग कराने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के यात्रियों को भी लचीली पुनर्बुकिंग के विकल्प मिलेंगे।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला नागरिकों को राहत देने वाला और जन-केंद्रित : अमित शाह

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सरकार की जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब पश्चिम एशिया संकट के बीच पूरी दुनिया ईंधन की कमी से जूझ रही है और कीमतें वैश्विक स्तर पर बढ़ रही हैं, ऐसे समय में मोदी सरकार का ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला नागरिकों को बहुत जरूरी राहत देता है। अमित शाह ने पोस्ट में आगे लिखा, जहां कई देशों ने डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं, वहीं मोदी सरकार का एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला जन-केंद्रित शासन और संवेदनशील निर्णय लेने की क्षमता को दर्शाता है। इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई।केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लिखा, मौजूदा उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर बहुत ही साहसी और संवेदनशील फैसला लेकर स्थिति को संभाला है। उन्होंने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दी है, जिससे आम आदमी को बहुत बड़ी राहत मिली है।

रक्षा मंत्रालय के सचिव राजेश कुमार सिंह ने नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-2 में तुंगुस्का वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की खरीद और पी8आई लंबी दूरी के समुद्री टोही विमान के निरीक्षण (डिपो स्तर) के लिए अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए।

न लॉकडाउन लगेगा, न ईंधन की कमी होगी, किरेन रिजिजू ने पीएम मोदी की फ्यूल ड्यूटी में कटौती की सराहना की

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर उठ रही चिंताओं और लॉकडाउन की अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ किया कि देश में किसी भी तरह का लॉकडाउन नहीं लगाया जा रहा है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की कि वे जमाखोरी रोकें और ईंधन की सप्लाई को सुचारु बनाए रखें। केंद्रीय संसदीय मंत्री रिजिजू ने केंद्र सरकार के उस फैसले की जमकर सराहना की, जिसमें पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की गई है। उन्होंने इसे आम लोगों को राहत देने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं पूरे देश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं। ऐसे कठिन समय में, जब दुनिया के जिस क्षेत्र से हमें गैस और पेट्रोलियम उत्पाद मिलते हैं, वहां युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, उस समय इतना बड़ा फैसला लेना कोई सामान्य बात नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का मकसद साफ है कि देश के किसी भी नागरिक को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी न हो। प्रधानमंत्री ने आज दिखा दिया है कि किसी भी भारतीय को अपने दैनिक जीवन में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हर आम व्यक्ति समझता है कि हमारे देश में गैस और तेल का उत्पादन बहुत कम होता है और हम आयात पर निर्भर हैं। ऐसे में कीमतों को नियंत्रित रखना और बढ़ने से रोकना बहुत बड़ा फैसला है। किरेन रिजिजू ने बताया कि पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी अब सिर्फ 3 रुपए रह गई है, जबकि डीजल को पूरी तरह ड्यूटी-फ्री कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद लोगों में खुशी का माहौल है और कई लोगों ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया है। संसद के संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस फैसले का स्वागत सांसद भी करेंगे। आज संसद सत्र फिर से बुलाया जा रहा है। हमारे सांसद, जो जनता के प्रतिनिधि हैं, वे भी इस बड़े फैसले का स्वागत करेंगे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय संसद के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है। लॉकडाउन की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ये अफवाहें कौन फैला रहा है? प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि किसी तरह की घबराहट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लोगों को चेतावनी दी है कि पैनिक न करें। साथ ही राज्य सरकारों से कहा गया है कि जमाखोरी को रोका जाए और कोई भी ऐसी स्थिति न बनने दी जाए जिससे लोगों में डर फैले। केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि भारत सरकार पूरी तरह स्थिति पर नियंत्रण में है। साथ ही राज्य सरकारों को उनकी जिम्मेदारी भी याद दिलाई। जब केंद्र सरकार ने इतना बड़ा फैसला लिया है, तो राज्य सरकारों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे सुनिश्चित करें कि कहीं भी गैस, पेट्रोल और डीजल की कमी न हो। इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। कांग्रेस पार्टी के अंदरूनी नेतृत्व विवाद पर पूछे गए सवाल पर किरेन रिजिजू ने संयमित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, कांग्रेस किसे अपना नेता चुनती है, यह उनका आंतरिक मामला है। लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि उनका नेता सकारात्मक सोच वाला हो और संसदीय लोकतंत्र, नियमों और परंपराओं का सम्मान करे। उन्होंने सभी से अपील की कि इस फैसले को जमीन पर सही तरीके से लागू करने के लिए मिलकर काम करें।

एक और खुशखबरी... 42 हजार टन एलपीजी लेकर 'जग वसंत' वेसल होर्मुज से गुजरात पहुंचा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ऊर्जा आपूर्ति को लेकर वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। 'जग वसंत' नाम का एलपीजी टैंकर कांडला पोर्ट, गुजरात पहुंच गया है। यह जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत आया है और इसमें 42 हजार मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी गैस लाई गई है।

कांडला पोर्ट प्राधिकरण के अनुसार, इस गैस को आज ही मिड-सी ट्रांसफर के जरिए उतारा जाएगा। मिड-सी ट्रांसफर की प्रक्रिया में समुद्र में ही जहाज से गैस को दूसरे सिस्टम या पोर्ट सुविधाओं तक पहुंचा दिया जाता है, जिससे समय की बचत होती है और सप्लाई तेजी से शुरू की जा सकती है।

इस बड़ी खेप के आने से देश में एलपीजी की उपलब्धता मजबूत होने की उम्मीद है, खासकर ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा

आपूर्ति को लेकर अस्थिरता बनी हुई है। कांडला पोर्ट देश के प्रमुख ऊर्जा आयात केंद्रों में से एक है, जहां से एलपीजी विभिन्न राज्यों में भेजी जाती है।इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण तेल और गैस टैंकर सुरक्षित रूप से भारत पहुंच चुके हैं। एमटी शिवालिक (एलपीजी) 16 मार्च को मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा, जबकि एमटी नंदा देवी (एलपीजी) 17 मार्च को कांडला पहुंचा। 'जग लाडकी' 18 मार्च को 81,000 टन कच्चा तेल लेकर मुंद्रा पहुंचा, वहीं लाइबेरिया-ध्वज वाला 'शेनलॉन्ग' सऊदी कच्चा तेल लेकर 11 मार्च के आसपास मुंबई पहुंचा था।गौरतलब है कि ईरान द्वारा कुछ चुनिंदा देशों को ही होर्मुज मार्ग से जहाज ले जाने की अनुमति दी गई है, जिनमें भारत भी शामिल है। ईरान-अमेरिका तनाव के कारण इस मार्ग पर बाधाएं बनी हुई हैं, फिर भी विशेष अनुमति के चलते भारतीय टैंकर सुरक्षित पहुंच रहे हैं।वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को लेकर भी स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, संघर्ष के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल अगले दस दिनों तक ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला न करने की बात कही है।

अखिलेश यादव बोले- यूपी में सिर्फ एक माफिया, फर्जी एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मियों को दी चेतावनी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में अनगिनत फर्जी एनकाउंटर का दावा करते हुए कहा है कि जब वे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में कोई माफिया नहीं है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि वहां सिर्फ एक ही माफिया है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी चेतावनी दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाफ भाजपा एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के आरोपों प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव नेकहा, उत्तर प्रदेश में यह (एनकाउंटर) कोई नई बात नहीं है। जब वे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में कोई माफिया नहीं है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि वहां सिर्फ एक ही माफिया है। फर्जी एनकाउंटर सिर्फ एक बार नहीं हुए हैं। जब भी कोई निष्पक्ष जांच होगी, तो आपको पता चलेगा कि उत्तर प्रदेश सरकार में अनगिनत फर्जी एनकाउंटर हुए हैं। बता दें कि सुल्तानपुर में पुलिस की अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र लिखा है।

उन्होंने आगे कहा, बहुत लोगों ने मानवाधिकार आयोग को शिकायतें दी हैं या मानवाधिकार आयोग की तरफ से सरकार को नोटिस भेजे गए हैं। लोग न्याय के लिए कोर्ट भी गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी, न्याय की जब बात होगी तो बहुत सारे अधिकारी अकेले पड़ जाएंगे। वे जेल चले जाएंगे और उनके परिवार के लोग भी उन्हें नहीं निकाल पाएंगे।एलपीजी को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में गैस सिलेंडरों के लिए अनगिनत लाइनें देखने को मिलती हैं और सरकार फिर भी कहती है कि सिलेंडर उपलब्ध हैं। अगर सिलेंडर हैं तो उन्हें 14 किलो की जगह 10 किलो का सिलेंडर क्यों करना पड़ा। पहले खाद की बोरी चोरी की थी और अब सिलेंडर के साथ कर रहे हैं। फिर यह भी कहेंगे कि रोटी छोटी बनाओ। सवाल यह है कि सरकार क्या कर रही है।इसी बीच, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, यह नया जमाना है।

पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती को विपक्षी दलों ने चुनावी स्टंट और दिखावटी बताया

नई दिल्ली,(ए.)। पेट्रोल और डीजल पर केंद्र की मोदी सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरु हो गया है। विपक्षी दलों ने कटौती को चुनावी स्टंट और दिखावटी बताया है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इससे जनता को वास्तविक फायदा कितना होगा, यह स्पष्ट नहीं है और सरकार को स्थायी समाधान पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने इस कटौती को पूरी तरह राजनीतिक कदम बताया, जिसमें केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी घटाकर जनता को राहत दिखा रही है, लेकिन अन्य माध्यमों से वहीं बोझ जनता पर डाला जा सकता है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह ऐसा है जैसे पहले अधिक वसूली की जाए और फिर थोड़ी राहत देकर बड़ा एहसान दिखाया जाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के समय पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम थीं, जबकि वर्तमान में कई गुना बढ़ गई हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी मोदी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और इस पहले लगाए गए अनावश्यक टैक्स का आंशिक कम होना बताया।

वहीं आम आदमी पार्टी के सांसद अशोक मित्तल ने चुनावी रणनीति से जोड़कर कहा कि यह कदम राज्यों में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर उठाया गया है। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद मियां अल्ताफ अहमद लारवी ने इस पहल को राहत देने वाला कदम बताया। उनका कहना है कि अगर यह कटौती नहीं होती, तब पेट्रोल-डीजल की कीमतें और बढ़ सकती थीं, जिससे उपभोक्ताओं पर असर पड़ता। लारवी ने जम्मू-कश्मीर के लिए केंद्र द्वारा मंजूर 5,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त वित्तीय पैकेज का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि इससे राज्य में रुके विकास कार्यों को गति मिलेगी और लंबित कर्मचारियों के बकाया भुगतान जैसे मुद्दों का समाधान संभव होगा। कुल मिलाकर, सरकार की एक्साइज ड्यूटी में कटौती पर राजनीतिक मतभेद स्पष्ट हैं—विपक्ष इसे चुनावी लाभकारी और दिखावटी राहत मान रहा है, जबकि कुछ सांसद इसे जनता को राहत देने वाला कदम मानते हैं। स्थायी समाधान और आर्थिक संतुलन पर चर्चा की आवश्यकता बनी हुई है।

चॉकलेटी गाउन में कियारा आडवानी ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

कियारा आडवाणी ने हाल ही में मुंबई के एक अवॉर्ड फंक्शन में अपनी शानदार मौजूदगी से सबका ध्यान खींच लिया. उनका लुक इतना ग्लैमरस और क्लासी था कि फैंस उन्हें देखते ही रह गए. मां बनने के बाद उनके चेहरे पर एक अलग ही चमक और कॉन्फिडेंस नजर आया, जो उन्हें और खास बना रहा था. इसी बीच आइए कियारा की तस्वीरों और उनके लुक को देखते हैं.

कियारा ने अपने बालों को खुला रखा और हल्के वेव्स में स्टाइल किया. बालों का सॉफ्ट और नेचुरल लुक उनके चेहरे को बहुत खूबसूरती से फ्रेम कर रहा है.कियारा ने ब्राउन शेड की बॉडी-हगिंग ड्रेस पहनी है, जो उनके फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही है. ड्रेस का डिजाइन सिंपल होते हुए भी काफी स्टाइलिश था.उनका मेकअप बहुत सटल और एलिगेंट है. ग्लोइंग स्किन, स्मोकी आईज और न्यूड लिप्स ने उनके चेहरे की नैचुरल ब्यूटी को और निखार दिया.

ड्रेस की डीप नेकलाइन और स्लीक डिजाइन ने उनके लुक को बोल्ड और अट्रैक्टिव बना दिया, जिससे लोगों की नजरें उनसे हट ही नहीं पा रही थी.कियारा ने अपने लुक को मिनिमल रखते हुए सिर्फ एक स्टाइलिश चोकर नेकलेस पहना. यह ज्वेलरी उनके आउटफिट के साथ बहुत अच्छी लग रही थी.

उनकी बॉडी लैंग्वेज कॉन्फिडेंट और ग्रेसफुल थी. कैमरे के सामने उनके हर पोज में एक अलग ही चार्म दिख रहा था, जो उनकी पर्सनालिटी को और खास बना रहा था.कियारा के लुक और उनकी प्रेजेंस ने इस शाम को खास बना दिया. सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें अब फैंस के बीच वायरल हो गई है और हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है.

'धुरंधर 2' ने दुनियाभर में काट दिया गदर, कलेक्शन हुआ 1000 करोड़ के पार, पठान, आरआरआर, केजीएफ 2 समेत इन फिल्मों को पछाड़ा

धुरंधर 2 ने अपनी रिलीज का एक हफ्ता पूरा कर लिया है. धुरंधर 2 बीती 19 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म का पेड प्रीव्यू शो भी चला था. फिल्म ने पेड प्रीव्यू और ओपनिंग डे पर मिलकर 145 करोड़ रुपये कमाए थे. अब सात दिनों में फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1000 करोड़ रुपये के पार जा चुका है. दूसरी तरफ भारत में धुरंधर 2 ने 600 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा लिए हैं. फिल्म धुरंधर 2 ने सातवें दिन की कमाई से भी कई फिल्मों के रिकॉर्ड मिट्टी में मिला दिए हैं. चलिए जानते हैं धुरंधर 2 ने सातवें दिन कितनी कमाई की है और क्या-क्या रिकॉर्ड तोड़े और बनाए हैं.

धुरंधर 2 ने सात दिनों में वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपये कमाकर दूसरी सबसे तेज 1000 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म का खिताब अपने नाम कर लिया है. अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2 ने 6 दिनों में सबसे तेज वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड अपने नाम किया था. प्रभास की बाहुबली 2 ने 9 दिनों में 1000 करोड़ रुपये कमाए थे. इस लिस्ट में धुरंधर 2 ने बाहुबली 2 के साथ-साथ आरआरआर, केजीएफ चैप्टर 2, कल्कि 2898 एडी और पठान, जवान को भी पीछे छोड़ दिया है. अब अपने आठवें दिन की कमाई से धुरंधर 2 शाहरुख की पठान और प्रभास की कल्कि 2898 एडी के लाइफटाइम वर्ल्डवाइड कलेक्शन (1050 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड तोड़ने जा रही है.वहीं, बात करें फिल्म के सातवें दिन के कलेक्शन की तो बता दें, फिल्म की कमाई में 16 फीसदी की गिरावट महसूस हुई और फिल्म ने 47.70 करोड़ रुपये की कमाई की. इसी के साथ फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 623 करोड़ रुपये हो गया है.

विराट कर्ण की पैन-इंडिया पौराणिक ड्रामा फिल्म नागबंधम की रिलीज तारीख का हुआ ऐलान, एक्शन-एडवेंचर पर आधारित है फिल्म

निर्देशक अभिषेक नामा की फिल्म नागबंधम का हाल ही में टीजर जारी किया गया था। जिसे सुपरस्टार महेश बाबू ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर रिलीज किया था। आज फिल्म की रिलीड डेट की घोषणा कर दी गई है।नागबंधम के निर्माताओं ने आज फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक पैन इंडिया फिल्म है। इस फिल्म को अभिषेक नामा ने लिखा और निर्देशित किया है।नागबंधम एक तेलुगु पौराणिक ड्रामा फिल्म है। इसका लेखन और निर्देशन अभिषेक नामा ने किया है। फिल्म में विराट कर्ण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। नागबंधम के टीजर में विराट को महादेव के रूप में दिखाया गया है। विराट के अलावा इस फिल्म में नाभा नतेश, ऐश्वर्या मेनन, महेश मांजरेकर, जगपति बाबू और बाकी कलाकारों ने अभिनय किया है। इस फिल्म का निर्माण एनआईके स्टूडियो और अभिषेक पिक्चर्स के तहत किशोर अन्नपुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने किया है।नागबंधम के टीजर में कोई खास डायलॉग नहीं दिखाया गया। यह हिमालय की गहराई में दबे अनंत पद्मनाभस्वामी के एक अनमोल खजाने की ओर इशारा करता है। समय आने पर जब खतरा बढ़ता है, तो इसे सुरक्षित रखने और संतुलन बनाए रखने के लिए एक रक्षक आता है।

फिल्म वाल्मीकि रामायण की पहली झलक जारी, 02 अक्टूबर को होगी रिलीज

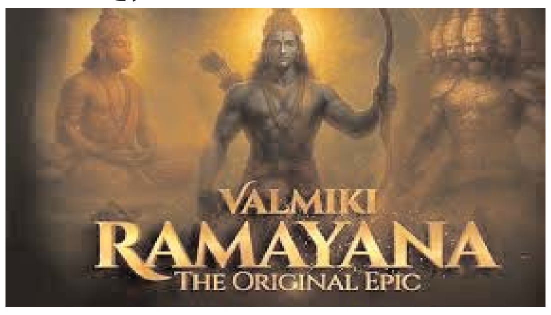

आगामी फिल्म वाल्मीकि रामायण के निर्माताओं ने रामनवमी के अवसर पर इसका फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। पोस्टर पर भगवान राम के चरण दिखाए गए हैं। यह तस्वीर आस्था, करुणा और पवित्र यात्रा शुरू करने से पहले आशीर्वाद लेने के काम को दिखाती है। यह फिल्म इस साल अक्तूबर में रिलीज होगी।

फिल्म वाल्मीकि रामायण के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता भावना तलवार ने संभाली है। आज साझा किए गए पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, जब तक पहाड़ खड़े रहेंगे और नदियां बहती रहेंगी, रामायण जिंदा रहेगी। बता दें कि यह फिल्म 02 अक्तूबर 2026 को रिलीज होगी।

इस फिल्म में इंडस्ट्री की एक मजबूत टीम एक साथ काम कर रही है। फिल्म बाहुबली में माहिष्मती की दुनिया की रचना करने वाले प्रोडक्शन डिजाइनर साबु सिरिल भी फिल्म का हिस्सा हैं। साबुल सिरिल के साथ-साथ, सिनेमैटोग्राफर बिनोद प्रधान और साउंड डिजाइनर रेसुल पुकुट्टी भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। लेखक आनंद नीलकंठन और चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने भी इस फिल्म पर काम किया है, ताकि इसकी कहानी जमीनी और वास्तविक लगे।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी उस्ताद भगत सिंह, 7 दिनों में आध बजट भी नहीं कर पाई वसूल

पवन कल्याण की लेटेस्ट एक्शन फ़िल्म, उस्ताद भगत सिंह, की शुरुआत तो जबरदस्त हुई थी, लेकिन अब यह अपनी रफ़्तार बनाए रखने के लिए काफ़ी संघर्ष कर रही है. फिल्म को फैंस से तो अच्छा रिस्पॉन्स मिला लेकिन क्रिटिक्स से मिले-जुले रिस्पॉन्स के चलते इस

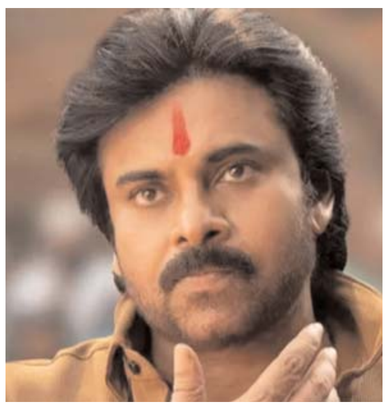

कॉप ड्रामा के कलेक्शन में पूरे देश के सिनेमाघरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है. इसकी एक वजह ये भी है कि इसे धुरंधर 2 से मुकाबला करना पड़ रहा है और हैरानी की बात ये है कि अपने होम ग्राउंड यानी तेलुगु भाषी राज्यों में ही पवन कल्याण की फिल्म रणवीर सिंह की स्पाई एक्शन थ्रिलर से पिट गई है. चलिए यहां जानते हैं , उस्ताद भगत सिंह ने 7वें दिन कितना कलेक्शन किया है ? उस्ताद भगत सिंह रिलीज के महज एक हफ्ते में ही बॉक्स ऑफिस पर सुस्त पड़ गई है. फिल्म ने ओपनिंग तो धुआंधार की थी लेकिन फिर ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक नहीं खींच पाई और दूसरे दिन से ही ये सिंगल डिजीट में सिमट गई. अब वीकडेज में तो इसका बंटाधार हो चुका है और ये 2 करोड़ भी नहीं कमा पा रही है. रिलीज के 7वें दिन यानी बुधवार को तो इस फिल्म ने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है.उस्ताद भगत सिंह की कमाई की बात करें तो 34.75 करोड़ से खाता खोलने वाली इस फिल्म की कमाई में दूसरे दिन से ही गिरावट शुरू हो गई थी. इसने अपने सेकंड डे पर महज 9 करोड़ कमाए. इसके बात तीसरे दिन फिल्म ने 9.10 करोड़, चौथे दिन 7.50 करोड़, पांचवें दिन 2.50 करोड़, छठे दिन 1.75 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं रिलीज के सातवें दिन यानी बुधवार को उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के 7वें दिन 0.99 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ उस्ताद भगत सिंह की 7 दिनों की कुल कमाई अब 65.59 करोड़ रुपये हो गई है.कथित तौर पर 150 करोड़ के बजट में बनी, उस्ताद भगत सिंह ने अब तक भारत में 65.59 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है, इस तरह इसने कुल बजट का 44 फीसदी के करीब ही वसूल किया है. फिल्म की ठंडी रफ्तार के बाद अब इससे अपने पूरे रन में, 85 करोड़ से कम नेट कमाई की उम्मीद है, इस तरह भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर इसे असफल फ़िल्म का दर्जा मिलेगा.

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 ओटीटी पर होगी रिलीज, 27 मार्च को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. फिल्म में रानी मुखर्जी को एक बार फिर से शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में देखने के बाद दर्शकों का उत्साह बढ़ गया था. इसके बाद अब ये फिल्म जल्दी ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होने वाली है. अगर आपने भी अब तक ये फिल्म नहीं देखी है तो जान लें, ये कहां और कब रिलीज होने वाली है.मर्दानी 3 फिल्म थिएटर रिलीज के दो महीने बाद अब फाइनली ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होने जा रही है. इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 27 मार्च को रिलीज होने वाली है. इस बारे में खुद नेटफ्लिक्स के द्वारा ही बताया गया है. नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम पेज पर पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया गया है, जिसके साथ कैप्शन में लिखा है, क्रिमिनल्स के बुरे दिन शुरु. शेरनी आ रही है शिकार करने.मर्दानी 3 फिल्म जिस जोनर की है, वो थोड़ा स्लो ही चलती है.

बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद, साल 2026 में रिलीज होगी 7 बड़ी फिल्में

अक्षय कुमार के साथ भूत-बंगला से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका भूत-बंगला के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह टिकी टाका फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म जिनी में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लोग काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी।

इसके अलावा वामिका दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग और पति पत्नी और वो दो में दिखने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि पति पत्नी और वो दो में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है।

वामिका किकली के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। किकली आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म जी-2 में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

मुंहासें होने के पीछे हो सकते हैं ये कारण, न करें नजरअंदाज

मुंहासे एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र में हो सकती है। यह समस्या अक्सर गलत खान-पान, त्वचा की देखभाल में लापरवाही और अन्य कई कारणों से होती है। इस लेख में हम कुछ ऐसे कारणों पर चर्चा करेंगे, जिनके बारे में शायद आप नहीं जानते होंगे। इन कारणों को जानकर आप अपने मुंहासों की समस्या को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और सही उपाय अपना सकते हैं।

तनाव

तनाव एक अहम कारण हो सकता है, जिसके बारे में हम अक्सर सोचते नहीं हैं। जब हम तनाव में होते हैं तो हमारे शरीर में एक विशेष हार्मोन बढ़ जाता है, जो त्वचा की तेल ग्रंथियों को सक्रिय करता है। इससे मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए तनाव को कम करने के लिए योग, ध्यान या अन्य तरीके अपनाना फायदेमंद हो सकता है। इससे न केवल मानसिक सेहत बेहतर होगी बल्कि त्वचा भी साफ रहेगी।

गलत खान-पान

आपकी खाने की आदतें भी मुंहासों के पीछे एक बड़ा कारण हो सकती हैं। अगर आप ज्यादा तैलीय भोजन, मीठी चीजें या फास्ट फूड का सेवन करते हैं तो इससे आपकी त्वचा पर बुरा असर पड़ सकता है। इन खाद्य पदार्थों से शरीर में सूजन बढ़ती है, जिससे मुंहासे निकल सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि आपके खाने में फल, सब्जियां और प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ शामिल हों ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ रहे।

पानी की कमी

पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना भी मुंहासों का एक कारण हो सकता है। पानी हमारे शरीर को साफ करने में मदद करता है और त्वचा को नमी प्रदान करता है। जब हम पर्याप्त पानी नहीं पीते, तो हमारे शरीर में गंदगी बढ़ जाती है, जिससे त्वचा पर दाने और मुंहासे हो सकते हैं। इसलिए रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना जरूरी है ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहे।

सोने की आदत

अच्छी नींद लेना भी हमारी त्वचा के लिए बहुत जरूरी है। जब हम ठीक से सोते नहीं हैं तो हमारे शरीर में थकान और तनाव बढ़ जाता है, जिससे मुंहासे निकलने लगते हैं। इसलिए कोशिश करें कि आप रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें ताकि आपका शरीर और दिमाग पूरी तरह से आराम कर सके और आपकी त्वचा भी स्वस्थ रहे।

मेकअप

अगर आप मेकअप करने के बाद सो जाते हैं तो यह आपकी त्वचा के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता है। मेकअप के कण त्वचा में फंस जाते हैं और रोमछिद्र बंद कर देते हैं, जिससे मुंहासे निकलने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने मेकअप को रात को हटाना न भूलें और चेहरे को अच्छी तरह से धोएं ताकि आपकी त्वचा साफ रहे और मुंहासे होने की संभावना कम हो सके।

त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है मुल्तानी मिट्टी, जानिए इसके 5 लाभ

मुल्तानी मिट्टी एक प्राकृतिक त्वचा देखभाल सामग्री है, जो लंबे समय से इस्तेमाल की जा रही है। यह त्वचा को साफ, मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करती है। मुल्तानी मिट्टी में मौजूद खनिज और पोषक तत्व त्वचा की गहराई तक पहुंचते हैं और इसे स्वस्थ रखते हैं। इस लेख में हम मुल्तानी मिट्टी के पांच प्रमुख फायदों के बारे में जानेंगे, जो आपकी त्वचा को निखारने में मदद करेंगे।

चेहरे की गंदगी और अशुद्धियों को करें दूर

मुल्तानी मिट्टी चेहरे की गंदगी और अशुद्धियों को दूर करने में बहुत असरदार होती है। जब आप इसे अपने चेहरे पर लगाते हैं तो यह गंदगी को अपने अंदर खींच लेती है और आपके रोमछिद्रों को साफ करती है। इसके लिए आपको बस एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी को थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बनाना है और उसे अपने चेहरे पर लगाना है। 10-15 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

त्वचा की अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करें

अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो आपको मुल्तानी मिट्टी जरूर आजमानी चाहिए। यह अतिरिक्त तेल को सोख लेती है और आपके चेहरे को ताजगी देती है। इसके लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो ठंडे पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा निखरी हुई और ताजगी भरी महसूस होगी।

मुंहासों और दाग-धब्बों से मिलेगी राहत

मुल्तानी मिट्टी मुंहासों और दाग-धब्बों के इलाज में भी मदद करती है। इसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो मुंहासों को धीरे-धीरे खत्म करते हैं। इसके लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी को नींबू रस मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे प्रभावित जगह पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। नियमित उपयोग से मुंहासों के निशान कम होंगे और आपकी त्वचा साफ-सुथरी दिखेगी।

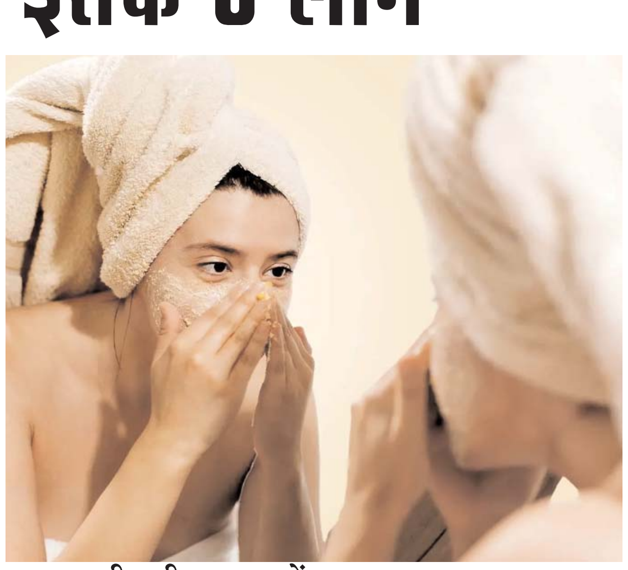

त्वचा की नमी बनाए रखें

मुल्तानी मिट्टी त्वचा को नमी प्रदान करने में भी मदद करती है। इसमें मौजूद खनिज त्वचा को पोषण देते हैं और इसे मुलायम बनाते हैं। इसके लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी को दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा नमीदार रहेगी और उसका निखार बढ़ेगा। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा और भी स्वस्थ और चमकदार दिखेगी।

झुर्रियों को कम करने में है सहायक

मुल्तानी मिट्टी झुर्रियों को कम करने में भी मदद करती है। इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो उम्र बढ़ने के लक्षणों को धीमा करते हैं और त्वचा को युवा बनाए रखते हैं। इसके लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी को जैतून तेल मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा चिकनी, मुलायम और झुर्रियों मुक्त दिखेगी।

ईरान से तनाव के बीच सुलह की कोशिश, पाकिस्तान जा सकते हैं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

इस्लामाबाद (ए.)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में तनाव की आंच अब दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंच चुकी है। अमेरिका अपनी शर्तों पर युद्ध खत्म करना चाहता है, लेकिन ईरान अपनी जिद पर डटा है। इस बीच पाकिस्तान ने ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने की बात कही। इस बीच अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान दौरे की खबरें सामने आ रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध को खत्म करने के मकसद से बातचीत के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने दो वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान के खुद को एक अहम मीडिएटर के तौर पर पेश करने के बाद इस हफ्ते इस्लामाबाद में एक मीटिंग अरेंज करने की तैयारी चल रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शायद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार के दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ जेडी वेंस पाकिस्तान जा सकते हैं। इससे पहले द फाइनेंशियल टाइम्स ने कहा था कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ

असीम मुनीर ने रविवार को ट्रंप से बात की थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। इस बीच व्हाइट हाउस ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान निर्धारित समय से आगे चल रहे हैं और अपने मुख्य उद्देश्यों के करीब पहुंच रहे हैं। वहीं वॉशिंगटन तेहरान के साथ सार्थक बातचीत जारी रख रहा है, जिसका उद्देश्य इस संघर्ष को समाप्त करना है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मीडिया से कहा कि अमेरिका ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के मुख्य लक्ष्यों को हासिल करने के करीब है। उन्होंने कहा, सिर्फ तीन हफ्तों से थोड़ा अधिक समय में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी एक बड़ी सैन्य जीत साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि अब तक 9,000 से अधिक दुश्मन ठिकानों पर हमला किया जा चुका है। लेविट ने कहा कि इस अभियान की शुरुआत के बाद से ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के 140 से अधिक नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर दिया है, जिसे कैरोलिन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तीन हफ्तों में किसी नौसेना के सबसे बड़े विनाश के रूप में बताया। कैरोलिन लेविट ने कहा, हर गुजरते दिन के साथ हमारे सैन्य प्रयास अधिक सफल हो रहे हैं और ईरान की व्यापारिक जहाजों को डराने की क्षमता लगातार कम हो रही है। इस अभियान ने होर्मुज स्ट्रेट के जरिए शिपिंग को खतरे में डालने की ईरान की क्षमता को काफी कमजोर कर दिया है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

अब ट्रंप ने नाटो को दे डाली धमकी, बोले- 'मदद नहीं की, ये समय कभी भूलना मत'

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) देशों पर बिफरे हैं। उन्होंने सीधे-सीधे धमकी देते हुए कहा कि इस समय को कभी 'भूलिएगा मत।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ पोस्ट में ईरान के लिए विवादित शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा, नाटो देशों ने ईरान जैसे पागल देश के खिलाफ कोई मदद नहीं की। अमेरिका को नाटो से किसी चीज की आवश्यकता नहीं है, लेकिन ये समय कभी भूलिएगा मत! बीते शुक्रवार (20 मार्च) को भी ट्रंप ने ईरान-इजरायल तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने में मदद न करने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने नाटो को कागजी शेर और सदस्य देशों को कायर बताते हुए कहा था कि बिना अमेरिका के यह गठबंधन कुछ नहीं है।

ईरान युद्ध पर घर में ही घिरे ट्रंप, 59प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा- ईरान के खिलाफ जरूरत से ज्यादा कार्रवाई

इस्लामाबाद (आरएनएस)। अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान के चल रहे संघर्ष को लगभग एक महीना होने वाला है, लेकिन अब तक सीजफायर पर कोई सहमति नहीं बन पाई है। ईरान झुकने को तैयार नहीं है और खाड़ी क्षेत्र में लगातार हमले जारी हैं। इस बीच एक नए सर्वेक्षण ने संकेत दिया है कि मिडिल ईस्ट में जारी यह युद्ध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए राजनीतिक मुश्किलें खड़ी कर सकता है। एपी-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वे के अनुसार, करीब 59 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक मानते हैं कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जरूरत से ज्यादा आगे बढ़ गई है।

संघर्ष के चौथे सप्ताह में किए गए इस सर्वे में पाया गया कि ट्रंप की समग्र अनुमोदन रेटिंग भले ही स्थिर बनी हुई है, लेकिन युद्ध का राजनीतिक असर तेजी से बढ़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने मिडिल ईस्ट में अतिरिक्त युद्धपोत और सैनिक तैनात किए हैं, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है। अमेरिकी जनता में इस सैन्य अभियान को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। लगभग 74 प्रतिशत नागरिक जमीनी सेना भेजने के खिलाफ हैं। वहीं, बढ़ती पेट्रोल कीमतों और लंबे खिंचते युद्ध को लेकर लोगों की चिंता भी गहराती जा रही है।

सर्वे के मुताबिक, करीब 45 प्रतिशत अमेरिकी आने वाले महीनों में ईंधन खर्च को लेकर बेहद चिंतित हैं। हालांकि, दो-तिहाई लोगों का मानना है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना अमेरिका की महत्वपूर्ण विदेश नीति प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही, उतने ही लोग घरेलू तेल और गैस की कीमतों को नियंत्रित करने की जरूरत पर भी जोर दे रहे हैं। कुल मिलाकर, ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान अब ट्रंप प्रशासन के लिए विदेश नीति के साथ-साथ घरेलू स्तर पर भी एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

हमें कतर मत समझना... बुरी तरह पीटूंगा, ईरान जंग के बीच पाकिस्तान ने इजरायल को दी चेतावनी

इस्लामाबाद (आरएनएस)। ईरान में जारी संघर्ष के बीच पाकिस्तान ने इजरायल को अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। पाकिस्तान ने स्पष्ट कहा है कि यदि उसके किसी नागरिक या राजनयिक को

नुकसान पहुंचता है, तो उसका सख्त जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान ने साफ-साफ चेताते हुए कहा कि वह कतर नहीं है जो चुपचाप बैठ जाएगा।

यह बयान तेहरान में पाकिस्तान दूतावास के पास हुए हालिया हवाई हमलों के बाद सामने आया है। इन हमलों को इजरायल और अमेरिका से जोड़ा जा रहा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी दूतावास और वहां मौजूद राजनयिक सुरक्षित हैं, हालांकि आसपास के इलाकों में धमाकों का असर देखा गया।पाकिस्तान ने एक रणनीतिक मंच की ओर से जारी बयान में कहा गया कि देश अपने राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर है और किसी भी खतरे की स्थिति में जवाब देने से पीछे नहीं हटेगा। इस बीच पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। तेहरान, काशान और अबादान जैसे शहरों में हवाई हमलों की खबरें हैं। संघर्ष के चलते क्षेत्र में अस्थिरता बनी हुई है, जिसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर भी पड़ रहा है।होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। ईरान ने इसे कुछ देशों के लिए खुला रखा है, जबकि अमेरिका ने इस मुद्दे पर दबाव बढ़ाया है। उधर, पाकिस्तान ने खुद को एक संभावित मध्यस्थ के रूप में भी पेश किया है। इस्लामाबाद ने संकेत दिया है कि यदि दोनों पक्ष तैयार हों, तो वह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की मेजबानी करने को तैयार है।

मिसाइलों पर 'थैंक्यू इंडिया' लिख ईरान ने जताया समर्थन का आभार, इजराइल पर 83वीं बार हमला

-स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी धन्यवाद संदेश

तेहरान,(ए.)। मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य तनाव के बीच ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष और तेज हो गया है। ताजा घटनाक्रम में ईरान ने इजराइल पर 83वीं बार मिसाइल हमला किया है। इस बार हमले के दौरान एक अनोखी बात सामने आई, जिसने वैश्विक स्तर पर ध्यान खींचा। ईरानी सैनिकों ने मिसाइलों पर 'थैंक्यू इंडिया' और 'थैंक्यू पीपल ऑफ इंडिया' जैसे संदेश लिखे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि ईरान के सैनिक मिसाइलों पर अलग-अलग देशों के नाम लिखते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए तैयार कर रहे हैं। भारत के अलावा स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी धन्यवाद संदेश लिखे गए। ईरान का कहना है कि यह कदम उन देशों और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए उठाया गया है, जिन्होंने इस संघर्ष के दौरान उसका समर्थन किया।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड, यानी इस्लामिक

रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अनुसार, इस 83वीं स्ट्राइक में लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलों के साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल किया गया। हमलों का निशाना केवल इजराइल के सैन्य ठिकाने ही नहीं थे, बल्कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिका के सैन्य ठिकानों को भी टारगेट किया गया। ईरान ने बहरीन में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े एक ठिकाने पर हमला करने का भी दावा किया है।

इस बीच, ईरान ने भारत से जुड़े एक भावनात्मक पहलू का भी जिक्र किया है। भारत में स्थित ईरानी दूतावास ने उन भारतीय बच्चों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कथित तौर पर अपनी गुल्लक तोड़कर ईरान के समर्थन में धन दान किया। दूतावास ने इसे प्यार भरा तोहफा बताते हुए कहा कि छोटे-छोटे बच्चों की यह मदद उनके दिल को छू गई और इसे कभी भुलाया नहीं जाएगा।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जम्मू-कश्मीर समेत कई क्षेत्रों में बच्चों ने इस तरह की पहल की। ईरानी दूतावास ने कहा कि यह समर्थन दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों और मानवीय जुड़ाव को दर्शाता है। मौजूदा घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि मिडिल ईस्ट का यह संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि इसका प्रभाव और संदेश वैश्विक स्तर पर फैल रहा है।

फिर पीछे हटे ट्रंप, ईरान पर अब 6 अप्रैल तक नहीं करेंगे हमला; बोले-तेहरान के कहने पर लिया फैसला

तेहरान/वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग के बीच से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अमेरिकी फोर्सेस अगले दस दिनों तक ईरान के एनर्जी प्लांट पर हमला नहीं करेंगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में यह बात कही है। अपनी पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, ईरानी सरकार के अनुरोध के अनुसार मैं एनर्जी प्लांट को नष्ट करने का समय 10 दिन के लिए सोमवार, 6 अप्रैल, 2026 को रात 8 बजे, ईस्टर्न टाइम तक रोक रहा हूं।

बता दें कि ट्रंप ने इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट पर ये ऐलान किया और उसके बाद कहा कि ईरान ने और समय मांगा है। सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक ट्रंप ने अपनी एनर्जी प्लांट स्ट्राइक पर लगी रोक को 6 अप्रैल तक बढ़ा दिया है और कहा है कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ईरानी सरकार के अनुरोध पर मैं ऊर्जा ठिकानों को तबाह करने की कार्रवाई को 10 दिनों के लिए रोक रहा हूं, जो सोमवार, 6 अप्रैल 2026 को रात 8 बजे तक जारी रहेगा।

इस बीच ट्रंप ने एक और बड़ा खुलासा किया है। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान ने अमेरिका को कीमती तोहफा भेजा है। ईरान ने होर्मुज से 10 टैंकर पार करने की इजाजत दे दी है। वहां से 8 टैंकर रवाना हो चुके हैं और ईरान 2 टैंक और भेजेगा। ट्रंप ने बताया कि इन टैंकर्स पर पाकिस्तानी झंडे लगे हैं और वो जल्द ही उनके पास पहुंच जाएंगी।

खेल समाचार

रायपुर में आईपीएल का रोमांचः 10 और 13 मई को दिखेगा आरसीबी, केकेआर और एमआई का दम

रायपुर,(आरएनएस)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। आईपीएल 2026 के दूसरे शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को भी मेजबानी का मौका मिला है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, शहर में 10 और 13 मई को दो हाई-वोल्टेज मुकाबले खेले जाएंगे।

पहला मैच 10 मई 2026 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। वहीं, दूसरा मुकाबला 13 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी इस शेड्यूल के बाद रायपुर के क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आरसीबी, एमआई और केकेआर जैसी लोकप्रिय टीमों के स्टार खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद मिलेगा।

रायपुर में आईपीएल मैचों का आयोजन न केवल खेल प्रेमियों के लिए उत्सव जैसा होगा, बल्कि इससे शहर की पहचान और खेल संस्कृति को भी नई ऊंचाई मिलेगी।

शाहरुख खान आ सकते हैं रायपुर! आईपीएल 2026 में होंगे दो बड़े मुकाबले

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 का दूसरा शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अनुसार राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे।

पहला मैच 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। वहीं दूसरा मुकाबला 13 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स और आरसीबी के बीच खेला जाएगा।

तैयारियां शुरू, बैठक जल्द

इन मैचों को लेकर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्टेडियम में दर्शकों की सुविधाएं, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जल्द ही बैठक की जाएगी। साथ ही टिकट की कीमतों को भी जल्द तय किया जाएगा।

केकेआर मैच में दिख सकते हैं शाहरुख खान

13 मई को होने वाले केकेआर बनाम आरसीबी मैच को लेकर खास चर्चा है कि शाहरुख खान रायपुर आ सकते हैं। वह अक्सर अपनी टीम के मैच देखने स्टेडियम पहुंचते हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू सीजन के कार्यक्रम का ऐलान, जानिए कब और कहां होंगे मुकाबले

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 घरेलू सीजन का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस बार का सीजन काफी व्यस्त और रोमांचक रहने वाला है, जहां वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भारत दौरे पर आएंगी। इस दौरान कुल 17 शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे, जिससे देशभर के क्रिकेट प्रेमियों को शानदार मुकाबले देखने का मौका मिलेगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ सितंबर में शुरू होने वाली सीरीज से इसका आगाज होगा। भारतीय टीम सबसे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। इसके बाद दिसंबर 2026 में श्रीलंका क्रिकेट टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां 3 वनडे और 3 टी-20 मुकाबले होंगे। नए साल की शुरुआत में जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। वहीं, सीजन का अंत ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की 5 टेस्ट मैचों की सीरीज से होगा, जिसकी शुरुआत 21 जनवरी से होगी।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विकी ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबादः ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

हॉकी फैंस के लिए बुरी खबर, 2 ओलिंपिक मेडल जीतने वाले इस दिग्गज भारतीय खिलाड़ी ने अचानक किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की। 31 साल के स्टार ने भारत की टीम के लिए 130 मैचों में 33 गोल किए।26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत के मन में बचपन से ही हॉकी के प्रति लगाव था। इस खेल में बेहतर बनने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। गुरजंत ने 2016 में लखनऊ में फाइनल में गोल करते हुए भारत को जूनियर विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2017 में गुरजंत ने सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियां ओलंपिक मंच पर सामने आईं, जहां वे टोक्यो 2020 और पेरिस 2024, दोनों ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीमों का एक अहम हिस्सा थे। ओलंपिक के अलावा, गुरजंत ने भारत को 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण, 2017 एशिया कप में स्वर्ण और कई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में मदद की। 2021 में, उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो भारत के सर्वोच्च खेल सम्मानों में से एक है।अपने संन्यास की घोषणा करते हुए गुरजंत ने कहा, आज मैं गर्व और गहरी भावनाओं के साथ अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। मैंने अपनी हॉकी यात्रा की शुरुआत इस कमरे में बैठे अपने सीनियर खिलाड़ियों को आदर्श मानकर की थी, और उनके साथ भारत के लिए खेलना का अपना सपना पूरा करना मेरे लिए एक ऐसी अनमोल याद है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

उन्होंने कहा, भारतीय हॉकी के ऐतिहासिक पुनरुद्धार का हिस्सा बनकर और दो ओलंपिक पदक हासिल करके मुझे बेहद संतुष्टि महसूस हो रही है। ट्रॉफियों से बढ़कर, सबसे बड़ी याद जो मैं अपने साथ ले जा रहा हूं, वह है अपने साथियों के साथ बिताया गया समय। हम एक परिवार की तरह रहे, और हर उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे का साथ दिया। मैं हॉकी इंडिया का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे इतनी सम्मानजनक विदाई दी। मैं अंतरराष्ट्रीय मंच से एक बहुत ही खुश और गर्वित इंसान के तौर पर विदा ले रहा हूं।हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, गुरजंत सिंह लगभग एक दशक से भारत की हॉकी कहानी का एक अहम हिस्सा रहे हैं। उनकी रफ्तार, उनकी ऊर्जा और बड़े मौकों पर गोल करने की उनकी क्षमता ने उन्हें एक ऐसा खिलाड़ी बनाया जिससे विरोधी हमेशा डरते थे। उन्होंने बड़े गर्व के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय हॉकी को उन्होंने जो कुछ भी दिया है, उसके लिए हम उनका शुक्रिया अदा करते हैं।

15 के हुए वैभव सूर्यवंशी, धमाकेदार प्रदर्शन से सुर्खियों में

- एक ओवर ने बदली करीम जनत की किस्मत

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं और इसके साथ ही उनके लिए सीनियर क्रिकेट में आगे बढ़ने का रास्ता और साफ हो गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक

रखने वाले वैभव ने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया था। उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर तेजी से पहचान बनाई। उनकी काबिलियत को देखते हुए आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। खास तौर पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया और 'वंडर बॉय' के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली।हालांकि इसी सीजन का एक और पहलू भी काफी चर्चा में रहा, जिसमें उनके प्रदर्शन ने एक अन्य खिलाड़ी के करियर पर गहरा असर डाला। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करीम जनत को 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्हें डेब्यू का मौका मिला, लेकिन यह मैच उनके लिए, बेहद मुश्किल साबित हुआ। इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के सामने गेंदबाजी करते हुए करीम जनत पूरी तरह दबाव में नजर आए।

पत्रकारों की सुरक्षा और जवाबदेही पर संसद में गूंजा सशक्त स्वर

स्व. शरद यादव के बाद नर्मदांचल के सांसद दर्शन चौधरी ने संसद में रखा पत्रकारों का पक्ष

सांसद ने रखी पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण नीति की मांग, पत्रकारों को मिले आवास, रेल, टोल में रियायत

- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सुरक्षा पर संसद में उठी आवाज
- पत्रकार सुरक्षित तो लोकतंत्र मजबूत संसद में उठा बड़ा सवाल
- सच की सुरक्षा बनाम दुरुपयोग पर नकेल- सांसद दर्शन चौधरी

नर्मदापुरम (निप्र)। संसद में विधानसभा में सांसदों विधायकों के पक्ष में जब कोई मुद्दा होता है तो एक स्वर में उस पर मुहर लग जाती है। जिस प्रकार सांसदों विधायकों को शासन स्तर पर सुविधाएं दी जाती हैं। उनके सभी तरह के प्रस्ताव प्राथमिकता से लागू हो जाते हैं। क्योंकि उनकी मांग रखने वाले वे स्वयं होते हैं। पत्रकारों का पक्ष यदाकदा ही संसद में विधानसभा में रखा जाता है। उस पर उतनी गंभीरता नहीं बरती जाती है। पूर्व में नर्मदांचल निवासी बिहार की राजनीति के आधार स्तंभ देश के जाने माने वरिष्ठ नेता जदयू के पूर्व अध्यक्ष व तत्कालीन सांसद स्व. शरद यादव ने संसद में पत्रकारों के पक्ष में 9 वर्ष पूर्व मार्च 2017 में जोरदार आवाज उठाई थी। लेकिन सरकार द्वारा उनके पत्रकार हित के मुद्दे पर कोई असर नहीं हो सका। या ऐसा कहा जाए कि असर होने नहीं दिया गया। अब नवरात्र के पवित्र मौके पर नर्मदांचल निवासी सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने संसद के शून्य काल के दौरान भारतीय लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिताकृसे जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे को मुखरता के साथ उठाया। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा, सामाजिक आर्थिक सुदृढ़ीकरण तथा पत्रकारिता के नाम पर हो रहे दुरुपयोग दोनों पहलुओं पर संतुलित और ठोस नीति की आवश्यकता पर जोर दिया। सांसद ने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतंत्र की

आत्मा है, जो शासन और जनता के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती है। यह वही शक्ति है जो सत्ता को जवाबदेह बनाती है और समाज को जागरूक करती है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहाँ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को संस्थागत सुरक्षा और सुविधाएँ प्राप्त हैं, वहीं पत्रकारों को अपेक्षित संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। पत्रकार विशेषकर फील्ड में कार्यरत अनेक जोखिमों और असुरक्षाओं का सामना कर रहे हैं।

इसी संदर्भ में उन्होंने सरकार से प्रश्न किया कि क्या पत्रकारों की सुरक्षा एवं कल्याण के लिए एक व्यापक पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण नीति बनाने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि प्रस्तावित नीति में निम्नलिखित प्रावधान शामिल किए जाएं,कार्यस्थल घर एवं फील्ड रिपोर्टिंग के दौरान समुचित सुरक्षा व्यवस्था,रेल यात्रा में 50 प्रतिशत रियायत की पुनर्बहाली, पत्रकारों एवं उनके परिवार के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा,बच्चों के लिए शिक्षा सहायता, आवास प्लॉट आवंटन या सरकारी आवास सुविधा,राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर टोल शुल्क में रियायत।

सांसद ने कहा जब कलम सुरक्षित होगी, तब ही सच निर्भीक होकर सामने आएगा, और जब सच सामने आएगा, तभी लोकतंत्र और मजबूत होगा। इसके साथ ही उन्होंने पत्रकारिता की आड़ में हो रही ब्लैकमेलिंग और अनैतिक गतिविधियों पर भी चिंता जताई। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर एक पारदर्शीए जवाबदेह और सख्त तंत्र विकसित किया जाएए जिससे पत्रकारिता की गरिमा बनी रहे।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कलम न झुके तो सत्ता सुधरती हैए कलम बिक जाए तो लोकतंत्र कमजोर पड़ता है। सांसद ने यह भी रेखांकित किया कि ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पत्रकारों का संरक्षण जितना आवश्यक हैए उतना ही जरूरी पत्रकारिता के नाम पर हो रहे दुरुपयोग पर कठोर नियंत्रण। अंत में उन्होंने सरकार से इस विषय पर शीघ्र ठोस कदम उठाने का आग्रह कियाए ताकि लोकतंत्र और अधिक सशक्त हो सके तथा राष्ट्र प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे।

देवी की भक्ति से ही मिलती है शक्ति- आचार्य पं जितेन्द्रिय महाराज

माता वैष्णो देवी की कथा के साथ देवी भागवत कथा का हुआ विश्राम

देवी मां के विदाई भजन से श्रोता हुए गमगीन, भक्ति भाव के साथ आज निकलेगें जवारे

नर्मदापुरम। नवरात्र में देवी चरित्र सुनना और सुनाना बहुत पुण्य का कार्य है। जिनने पूरे नौ दिनों तक देवी के चरित्रों को सुना है उनके जीवन में आनंद ही आनंद आने वाले वाला। देवी की भक्ति से ही शक्ति मिलती है। यह अमृत उद्गार देवी भागवत कथा दक्षिणेश्वरी माता महाकाली सांस्कृतिक उत्सव समिति द्वारा सतरस्ते पर आयोजित देवी भागवत कथा में राजराजेश्वरी बाराही धाम डुंगारिया जिला सीहोर से पधारे सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य पं जितेन्द्रिय महाराज (बशिष्ठ) ने कथा के विराम दिवस पर व्यक्त किए। आचार्य जी ने कहा कि माता सती की भुजा गिरी थी। त्रिकुटा पर्वत पर माता त्रिकूटा माता लक्ष्मी, सरस्वती, और कालीजी के रूप में विराजमान हैं वहां पर माता पिंडी स्वरूप में हैं। माता वैष्णो देवी, सहति अन्य देवियों के चरित्रों का संगीतमय वर्णन कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। देवी मां के विदाई के भजन मैया नौ दिन की मेहमान सुनकर श्रद्धालुओं के आंखों में आंसू आने लगे। महाराज श्री ने कहा कि आप लोगों ने नो दिनों तक मन लगाकर देवी भागवत कथा का श्रवण किया है। अब दसवें दिन शनिवार को संध्या के समय देवी के जवारों का विसर्जन भक्ति भाव के साथ होगा जिसमें सभी श्रद्धालुओं का शामिल होना चाहिए। कथा स्थल पर जो जल कलश रखे हुए हैं वह कलश लेकर मां नर्मदा के तट पर पहुंचेंगे वहां से जल कलश में जल भर कर अपने घरों में स्थापित करने से घर में सुख शांति और समृद्धि आएगी।

सजाई रामजन्म की आकर्षक झांकी

कथा स्थल पर आचार्य पं जितेन्द्रिय महाराज के मार्गदर्शन में आयोजन समिति द्वारा प्रतिदिन आकर्षक झांकी सजाई जा रही हैं। जिसमें समिति की नारी शक्तियों का विशेष योगदान रहता है। रामनवमी के पावन अवसर पर एक छोटे बालक को राम के स्वरूप में तैयार कर पालने में झुलाते हुए कथा व्यास पीठ के समीप ले जाया गया। जहां पर आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रकाश शिवहरे ने खेल खिलौने तथा प्रसादी का वितरण किया। इसके साथ ही राठौर परिवार के सेवाभावी सदस्यों को समिति के द्वारा सम्मानित किया गया। कथा सुनने के लिए नौ दिनों तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम आयोजित

भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन एवं सीएसएसआर का दिया गया प्रशिक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन विभाग इकाई नर्मदापुरम के तत्वावधान में 5 दिवसीय भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय में किया जा रहा है जो कि 28 मार्च तक जारी रहेगा। जिसमें प्रथम सत्र में शासकीय नियमित अधिकारियों को सम्मिलित किया गया तथा द्वितीय सत्र में NCC/NSS/NYK कैडेट्स तथा होमगार्ड, सिविल डिफेंस एवं आपदा मित्र को सम्मिलित किया गया। प्रशिक्षण सत्र में प्लाटून कमांडर शिवराज चौधरी द्वारा आपदा का परिचय भूकंप परिचय एवं इतिहास, प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित द्वारा भूकंप आने पर तात्कालिक कार्यवाही एवं शारीरिक बचाव, एवं sderf टीम द्वारा ड्रेसिंग एवं लाइफ सेविंग कार्य तथा भूकंप आने के कारण, भू गर्भीय हलचल एवं संभावनाएं विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। अंत में प्लाटून कमांडर द्वारा सीपीआर देने के बारे में बताया गया। कार्यशाला में भूकंप में प्रभावित घायलों को इलाज हेतु फर्स्ट एड की जानकारी देने जिला चिकित्सालय से डॉ संभव जैन को आमंत्रित किया जिनके द्वारा रक्तस्राव को रोकने के उपाय एवं उपचार के बारे में जानकारी दी गई प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थियों ने ड्रेसिंग एवं सीपीआर का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण भी प्राप्त किया गया।

भक्तिभाव व धूमधाम से निकली भगवान श्रीराम की शोभायात्रा

मंदिरों और सत्संग चौक पर मना श्रीराम जन्मोत्सव, गूंजे भए प्रकट कृपाला के जयघोष

नर्मदापुरम (निप्र)। रामनवमी पर भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर के सभी राममंदिरों के साथ अन्य मंदिरों में जन्मोत्सव के अवसर पर दोपहर के समय उत्सवी माहौल रहा। कड़कडाती धूप और तेज गर्मी के बाद भी शहर में सभी मंदिरों में दोपहर के 12 बजे रामीजन्म के उत्सव हुए। पूजन आरती की गई। भगवान श्रीराम के जन्म की स्तुति भय प्रकट कृपाला, दीनदयाला का सामूहिक स्तुतिगान हुआ। शहर के नर्मदा तट के पास तिलक भवन के सामने सत्संग चौक पर भगवान श्रीराम की प्रतिमा के साथ बीते नो दिनों से जारी श्रीरामचरित मानस के नवान्ह पारायण का समापन हुआ। इसी के साथ दोपहर में यहां पर भगवान श्रीराम का जन्म महोत्सव मनाया गया। भजन कीर्तन आरती के बाद के पंजीरी और फलों का प्रसाद वितरण किया गया।

शाम को निकली विशाल शोभायात्रा

श्रीरामजन्मोत्सव समिति के द्वारा सेठानी घाट से शाम के समय भगवान श्रीराम की शोभायात्रा निकाली गई। गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। जिसमें शहर के अनेक श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस मौके पर जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। अनेक संगठनों व्यापारियों तथा शहर वासियों ने भी जगह-जगह शीतल जल आईसक्रीम के साथ ही पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। सतरस्ता काली कमेटी के द्वारा सतरस्ते पर स्वागत किया। खासकर युवाओं की टीम में सक्रियता ज्यादा रही। वरिष्ठजनों ने भी हिस्सा लिया।

मीनाक्षी चौक स्थित इच्छापूर्ति मंदिर में महाआरती आज

नर्मदापुरम्। मीनाक्षी क्षेत्र स्थित भवानी चौक इच्छापूर्ति मंदिर में आज शाम 7 बजे से महाआरती का आयोजन प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य आचार्य पं सोमेश परसाई के आचार्यत्व में किया जा रहा है। इच्छापूर्ति मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र यादव एवं सदस्यगणों द्वारा नगर के समस्त श्रद्धालुगणों से आग्रह किया है मातारानी की महाआरती में अधिक से अधिक संख्या में पधारें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 1 नर्मदापुरम (म0प्र0)

निविदा सूचना क्र0 14/2026/ई-टेण्डर/नीलामी/न.पुरम **दिनांक 24.03.2026**

// नीलामी निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्यो हेतु टेण्डर कम ऑक्शन पद्धति से निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यो का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

स. क्र.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	आफसेट वैल्यू	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
1.	2026_PWDRB_ 493825	सिवनी मालवा में पुराने कोर्ट भवन को तोड़ने का कार्य।	रू. 27736.00 (रू. सत्ताईस हजार सात सौ छत्तीस मात्र)	रू. 10000.00 (रू. दस हजार मात्र)	रू. 1000.00 (रू. एक हजार मात्र)	15 (पन्द्रह) दिवस
2.	2026_PWDRB_ 493827	पुराना ऑफिसर क्लब वृद्धजन पार्क के पास, मालाखेड़ी रोड नर्मदापुरम का डिस्मेंटलिंग कार्य।	रू. 82486.00 (रू. बयासी हजार चार सौ छियासी मात्र)	रू. 20000.00 (रू. बीस हजार मात्र)	रू. 1000.00 (रू. एक हजार मात्र)	15 (पन्द्रह) दिवस
3.	2026_PWDRB_ 493828	लोक निर्माण विभाग प्रयोगशाला नर्मदापुरम फॉरेस्ट ऑफिस के पीछे लोक निर्माण विभाग की पुरानी बिल्डिंग का डिस्मेंटलिंग कार्य।	रू. 76824.00 (रू. छियत्तर हजार आठ सौ चौबीस मात्र)	रू. 20000.00 (रू. बीस हजार मात्र)	रू. 1000.00 (रू. एक हजार मात्र)	15 (पन्द्रह) दिवस
		कुल योग रू	**187046.00**			

निविदा के विस्तृत दस्तावेज एवं नियम व शर्ते बेवसाईट https://mptenders.gov.in से नि:शुल्क डाउनलोड की जा सकती है। निविदाकार को निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि केवल ई-भुगतान के माध्यम से ऑनलाईन ही जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 02.04.2026, सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है। ऑनलाईन नीलामी की प्रारम्भ तिथि दिनांक 08.04.2026 10:30 बजे से दिनांक 08.04.2026 15.00 बजे तक निर्धारित है। किसी प्रकार के परिवर्तन/संशोधन का प्रचार प्रसार केवल उपरोक्त बेवसाईट पर ही किया जावेगा।

निविदा में प्राप्त सभी बिड/प्रस्ताव को स्वीकृति अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग के पास सुरक्षित रहेगा।

जी/27899/25 **कार्यपालन यंत्री**

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें **लो0 नि0 वि0 संभाग नर्मदापुरम**

28 मार्च को किया जाएगा विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 28 मार्च (शनिवार) को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नर्मदापुरम द्वारा वृहद विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सुबह 10:30 बजे किया जाएगा। जिसका उद्देश्य आम जनता विशेषकर कमजोर वर्गो को उनके कानूनी अधिकारों, मुक्त कानूनी सेवाओं की उपलब्धता एवं विभिन्न नालसा की योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाकर शासन की विभिन्न योजनाओ का लाभ प्रदान करना है। उक्त शिविर में श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, इत्यादि द्वारा स्टॉल लगाकर विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारी व श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, पात्र व्यक्तियों के लिए आयुष्मान कार्ड, नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण इत्यादि सुविधाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त नि:शुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत के लाभ व मध्यस्थता की जानकारी प्रदान की जाएगी। सभी श्रमिक बंधु, बुजुर्ग, महिला, बच्चे व ऐसे व्यक्ति जो भी ऐसे मामले को लोक अदालत अथवा मध्यस्थता के माध्यम से निपटाया जा सकता है। शिविर की अधिक जानकारी के लिए नालसा टोल फ्री नं. 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

पचमढ़ी में सुरक्षित पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु कार्यशाला आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न नवाचार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अंतर्गत इंडियन ग्रामीण सर्विसेस के माध्यम से संकुल पचमढ़ी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। एमपीटी होटल हाईलैंड, पचमढ़ी में आयोजित इस कार्यशाला की अध्यक्षता थाना प्रभारी पद्म सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के पुष्पगुच्छ से स्वागत के साथ हुआ। इंडियन ग्रामीण सर्विसेस की परियोजना प्रबंधक सुश्री रीना साहू ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा, कौशल प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सुरक्षित पर्यटन वातावरण विकसित किया जा रहा है। कार्यशाला में प्रशिक्षित महिलाओं एवं बालिकाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए होटल संचालकों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। पर्यटन स्थलों पर महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित कर सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि देश-विदेश से आने वाली महिला पर्यटक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें। थाना प्रभारी पद्म सिंह ने पचमढ़ी में महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा समिति गठित करने की बात कही। वहीं होटल संघ पचमढ़ी के प्रतिनिधि आनंद कुमार एवं अन्य सदस्यों ने महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विगत तीन वर्षों में किए गए प्रशिक्षण एवं रोजगार संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई।

इंडियन ग्रामीण सर्विसेस के प्रतिनिधि महेश प्रजापति ने फेडरेशन एवं टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (TFC) पचमढ़ी के संचालन की जानकारी दी। इस केंद्र के माध्यम से पर्यटकों को होटल, जिप्सी, गाइड, रेस्टोरेंट, पुलिस एवं स्वास्थ्य सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, दशमेश सिंह, विनय साहू, परवेंदर सिंह, अजय चोखड़ा सहित होटल संघ के सदस्य, एमपीटी होटल प्रबंधक, फेडरेशन एवं TFC सदस्य तथा विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं।

नवीन शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल से, सभी प्राचार्य करें पूरी तैयारी - सीईओ जिला पंचायत हिमांशु जैन

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हिमांशु जैन द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले के समस्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक एवं हाई स्कूलों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों, प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीईओ श्री जैन ने निर्देश दिए कि 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहे नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए सभी विद्यालय पूर्ण रूप से तैयार रहें। उन्होंने प्रवेश उत्सव को उत्साहपूर्वक मनाने पर विशेष जोर देते हुए विद्यालयों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, आकर्षक सजावट, रंगोली, पेंटिंग एवं सेल्फी पॉइंट तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं पालकों को आमंत्रित कर कार्यक्रम को जनभागीदारी से सफल बनाने के लिए कहा गया।बैठक में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में विविध गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए गए।

खंड - I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी दक्षिण बैतूल (सा.) वनमण्डल (म.प्र.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या/1782/ई-टेंडरिंग/2025-26 **दिनांक 25.03.2026**

1. वनमंडलाधिकारी, दक्षिण बैतूल (सा0) वनमंडल द्वारा म0प्र0 भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1 निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://www.mptenders.gov.in पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है। निविदा संबंधी सामान्य जानकारी वन विभाग की वेबसाईट https://mpforest.gov.in पर भी अवलोकनार्थ उपलब्ध है।

क्र.	सामग्री/कार्य का नाम	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
01	दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल अंतर्गत मुलताई परिक्षेत्र में नगर वाटिका में बोरबेल खनन् कार्य मय मोटर सहित (निर्धारित प्राक्लन अनुसार)	10000/-	500/-

2 इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का आनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 28.03.2026 दोपहर 2:00 बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।

3 ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।

क्र.	विवरण	दिनांक	समय	समय
1	Publishing Date	30.03.2026	11:00 AM	निविदा ऑन लाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर दर्शित है।
2	Document Download/Sale Start Date	30.03.2026	03:00 PM	
3	Bid Submission Start Date	31.03.2026	11:00 AM	
4	Bid Submission Closing Date	08.04.2026	05:00 PM	
5	Bid Opening Date	09.04.2026	01:00 PM	

4 ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।

5 यदि निविदा खुलने की दिनांक को अपरिहार्य कारणों से यदि निविदा खोली नहीं जा सकती है तो निविदाएं आगामी कार्य दिवस पर जावेगी।

6 **प्रक्रिया-1** निविदा प्रपत्र का मूल्य 500/-(पांच सौ रूपये) है इसे ऑनलाईन जमा किया जाना है। जमा की रसीद को निविदा के साथ अपलोड करना है।

7 **प्रक्रिया-2** तत्पश्चात् उपरोक्त प्रक्रिया-1 में योग्य पायी जाने वाली फर्मो की ही तकनीकी निविदा देखी जावेगी। तकनीकी निविदा के भाग-2 में दर्शित दस्तावेज फर्म की सील एवं हस्ताक्षरित अपलोड किये गये दस्तावेज देखा जावेगा।

8 **प्रक्रिया-3** तत्पश्चात् उपरोक्त प्रक्रिया-2 में योग्य पायी जाने वाली फर्मो की ही वित्तीय निविदा खोली जावेगी। वित्तीय निविदा को एक्सेल शीट में ऑनलाईन प्रस्तुत किया जाना होगा।

9 **प्रक्रिया-4** वित्तीय निविदा ओपन किये जाने पश्चात् एवं L-1 निविदाकार को सामग्री प्रदाय हेतु चयनित किया जावेगा।

10 ई-खरीद पोर्टल :- https://www.mptenders.gov.in

जी/27904/25 **वनमंडलाधिकारी**

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें **दक्षिण बैतूल (सा0) वनमंडल**

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com